दैनिक
उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से प्रकाशित
RNI NO: UPHIN/2022/82892
लखनऊ सुपरफास्ट खबरें
सबसे तेज, सबसे पहले
वर्ष-04 अंक-204 लखनऊ, गुरुवार, 02 अप्रैल, 2026 पृष्ठ- 8 मूल्यः 2 रुपया
www.lucknowsuperfastkhabre.com

सोना आज 4,120 बढ़कर 1.51 लाख पर पहुंचा

सरकार ने मार्च में 2 लाख करोड़ जीएसटी वसूला

अनिल अंबानी के खिलाफ सीबीआई ने नया केस दर्ज किया

जनता ने राजनीतिक कचरा हटाया तो स्वच्छ हुआ यूपी : योगी

➲ मुख्यमंत्री ने लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन के लिए 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को किया फ्लैग ऑफ ➲ 2017 के पहले सत्ताधारी दलों को पसंद था अंधेरा

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन के लिए पर्यावरण अनुकूल हरित ऊर्जा से संचालित 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को फ्लैग ऑफकिया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने जब राजनीतिक कचरे को हटाकर बदलाव की नींव रखी, उसी का परिणाम है कि स्वच्छता के क्षेत्र में डबल इंजन सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रयास सफल रहे और रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ। मुख्यमंत्री ने

कहा कि प्रदेश में 2017 के पहले सत्ताधारी दलों को अंधेरा पसंद था, लेकिन हम सूर्य के उपासक हैं और सूर्यवंशी श्रीराम के अनुज लक्ष्मणजी के नाम पर लक्ष्मणपुरी में विकास को आगे बढ़ा रहे हैं। नव निर्माण के 9 वर्षों में आज हमारा लखनऊ स्वच्छता रैंकिंग में देश के टॉप-3 शहरों में शामिल हुआ है। अब इस उपलब्धि को नई ऊंचाई देने के लिए हम 'नेट जीरो' लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम हो और प्रदूषण रहित व्यवस्था विकसित हो। इसी दिशा में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा देना एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है, जो स्वच्छ और हरित भविष्य की नींव रखेगी। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से वर्ष 2017 में हमने स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में व्यापक बदलाव किया। पहले हैलोजन की पीली लाइटें होती थीं, जो अधिक ऊर्जा खपत करती थीं, बदरंग दिखती थीं और कीड़े-मकोड़ों के कारण उनके नीचे खड़ा होना मुश्किल होता था। पिछली सरकारों के लिए व्यवस्था सुविधाजनक थी, क्योंकि उन्हें बिजली देनी ही नहीं थी। जिनकी आदत डकैती डालना था, उनके लिए अंधेरा ठीक था। लेकिन हमारी सरकार ने तय किया कि बिना भेदभाव के 24 घंटे बिजली मिले और शहर की लाइटिंग भी एक समान, बेहतर और आधुनिक हो। इसी सोच के तहत पूरे शहर को एलईडी लाइटों से दूधिया रोशनी में बदलने का कार्य किया गया, ताकि हर नागरिक को सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके और अंधेरे की संस्कृति को समाप्त कर सभ्यता और विकास को आगे बढ़ाया जा सके। आज आप उत्तर प्रदेश के किसी भी शहर में जाएं, एलईडी स्ट्रीट लाइटों की दूधिया रोशनी से पूरा शहर जगमगाता दिखाई देता है। नगर निगमों ने भी स्पाइरल लाइट लगाकर शहरों को और सुंदर बनाया है। रात में सड़कों पर सुरक्षित और आकर्षक वातावरण दिखता है। लखनऊ आने वाले लोग अब इसकी खूबसूरती की सराहना करते हैं। जहां पहले 2017 से पहले अंधेरा, असुरक्षा और सफाई की कमी महसूस होती थी, आज वही शहर रोशनी, स्वच्छता और व्यवस्थित विकास का उदाहरण बनकर सामने आया है। पिछले 9 वर्षों में लखनऊ ने स्वच्छता रैंकिंग के साथ-साथ हर क्षेत्र में विकास की नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। शहर का दायरा बढ़ा है, लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है, मेट्रो संचालन शुरू हुआ है और सड़कों के चौड़ीकरण, जल निकासी तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। प्रदेश और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से 17 नगर निगमों तथा नोएडा-ग्रेटर नोएडा को मिलाकर 18 नगर निकायों को 'सेफसिटी' के रूप में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ते हुए सीसीटीवी कवरेज दिया गया है।

योगी ने जाना बेमौसम बारिश से परेशान किसानों का हाल

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के कई जनपदों में बुधवार को हुई बारिश से परेशान किसानों का हाल जाना। उन्होंने असमय बारिश के कारण किसानों को होने वाली परेशानी के बारे में जिलाधिकारियों से रिपोर्ट मांगी। अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम की मार झेलने वाले किसानों को परेशानी न हो, किसान हित सरकार की प्राथमिकता है। किसानों की बर्बाद हुई फसल के नुकसान का आकलन कर संपूर्ण जानकारी एकत्र करें और उन्हें जल्द से जल्द राहत दिलाएं। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि राजस्व, कृषि विभाग व बीमा कंपनी फसल नुकसान का तत्काल संयुक्त सर्वे कराकर शासन को अवगत कराएं, जिससे किसानों को तत्काल मुआवजा दिलाया जा सके। सरकार हर आपदा-विपदा में प्रदेशवासियों के साथ निरंतर खड़ी है। विगत दिनों हुई बारिश से भी किसानों की फसल प्रभावित हुई थी, इससे नुकसान होने वाली फसल का मुआवजा दिलाया जा रहा है। बुधवार को होने वाली बारिश के कारण भी फसल को जो नुकसान हुआ है, उसका भी जल्द से जल्द आकलन करा लिया जाए।

फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करा लें किसान : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री को व्यापक स्तर पर लागू करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों का पंजीकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष शिविर आयोजित कर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जाए ताकि कोई भी पात्र किसान इस व्यवस्था से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार फार्मर रजिस्ट्री को कृषि क्षेत्र में एकीकृत लाभ वितरण प्रणाली के रूप में विकसित कर रही है। कृषि विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों की सभी लाभार्थीपरक योजनाओं को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जा रहा है, जिससे किसान को विभिन्न योजनाओं का लाभ एक ही पहचान के आधार पर सरल और व्यवस्थित तरीके से प्राप्त हो सके। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं में यदि लाभार्थियों के नाम या अभिलेखों में कोई त्रुटि अथवा असंगति है तो उसे आधार से लिंक कर प्राथमिकता के आधार पर संशोधित किया जाए। कृषि विभाग अपनी सभी योजनाओं को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ने के लिए आवश्यक तकनीकी व्यवस्था निर्धारित समयसीमा में तैयार करे और विभागीय पोर्टल को 1 मई तक क्रियाशील बनाया जाए।

बंगाल में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा

महज वोटिंग मशीन बनकर रह गए हैं मुस्लिम

मुर्शिदाबाद, एजेंसी। आईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने हुमायूं कबीर के नेतृत्व वाली पार्टी एजेयूपी के उम्मीदवारों के समर्थन में वोट मांगे। ओवैसी ने कहा कि बंगाल में कमजोर वर्गों और मुसलमानों का शोषण रोकने के लिए उन्होंने कबीर के साथ हाथ मिलाया है। ओवैसी ने सत्ताधारी टीएमसी और अन्य दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि इन पार्टियों ने मुसलमानों का इस्तेमाल सिर्फ वोट के लिए किया, लेकिन उनके विकास के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि पिछले 50 वर्षों में इस समुदाय ने कांग्रेस, वाम मोर्चे और टीएमसी को वोट दिया, फिर भी उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। रैली में ओवैसी ने कहा कि भारतीय राजनीति की सच्चाई यही है कि जिस समाज का अपना नेतृत्व होता है, वही तरक्की करता है। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि मुसलमान अब सिर्फ श्वोटिंग मशीनश् बनकर रह गए हैं। अब समय आ गया है कि मुस्लिम समुदाय अपने नेता खुद चुने। इससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और राजनीतिक फैसलों में उनकी हिस्सेदारी बढ़ेगी। ओवैसी ने दावा किया कि यह नया गठबंधन ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को बड़ा झटका देगा। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि जीत मिलने पर उनकी आवाज मजबूती से उठाई जाएगी। पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल और दूसरे चरण का 29 अप्रैल को होगा।

हर कोई कह रहा, अबकी बार-बीजेपी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इस बार असम में बीजेपी-एनडीए की हैट्रिक लगनी तय है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कांग्रेस के सो कॉल्ड राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है। पीएम धेमाजी के गोगामुख में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। वहीं, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बीरभूम में जनसभा की। उन्होंने कहा- जब बंगाल आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहा था, तब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर बंदूकें लेकर निकलते हैं। इधर, असम के डिब्रूगढ़ पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- असम में डबल गुलामी वाली सरकार है, एक भ्रष्ट सरकार है। हम देख सकते हैं कि कैसे सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। यहां माफिया राज और सिंडिकेट राज है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हेलिकॉप्टर बुधवार को मुर्शिदाबाद के नबाग्राम में खराब मौसम के कारण लैंड नहीं कर सका। अचानक आए तूफान और तेज हवाओं के चलते हेलिकॉप्टर को वापस बुरवान लौटना पड़ा। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 2:10 बजे इलाके में मौसम खराब हो गया, जिससे लैंडिंग संभव नहीं हो पाई। इसके बाद ममता बुरवान से सड़क मार्ग के जरिए नबाग्राम के लिए रवाना हुईं, जहां उन्हें चुनावी सभा को संबोधित करना था। ममता बनर्जी इससे पहले बुरवान में एक जनसभा कर चुकी थीं और नबाग्राम की ओर जा रही थीं। पिछले हफ्ते भी खराब मौसम के कारण उनका विमान कोलकाता एयरपोर्ट पर तुरंत नहीं उतर सका था और करीब एक घंटे बाद लैंडिंग हुई थी। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने घरेलू सामान खरीदने के लिए लोगों को 8,000 रुपए का कूपन देने का ऐलान किया है।

गांदरबल में मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर, सेना ने घेरबंदी कर चलाया तलाशी अभियान

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के गांदरबल जिले में मंगलवार रातभर जारी रही मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी। सुरक्षा बलों ने गांदरबल जिले के अरहामा इलाके में संदिग्ध गतिविधि की सूचना के आधार पर मंगलवार रात घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा कर बताया कि सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर गांदरबल के अरहामा में संयुक्त तलाश अभियान शुरू किया। सेना ने बताया कि सतर्क जवानों ने इस अभियान के दौरान कुछ लोगों की संदिग्ध गतिविधि देखी और जब उन लोगों को रुकने को कहा गया तो उन्होंने जवानों पर गोलीबारी कर दी जिसके बाद सैन्य बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। उसने बताया कि सेना की कार्रवाई में एक आतंकवादी मारा गया।

केजरीवाल की फिर बढ़ी मुश्किलें, ईडी की याचिका पर हाई कोर्ट ने भेजा नोटिस

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से ईडी की उस याचिका पर उनका पक्ष जानना चाहा, जिसमें आबकारी नीति मामले में समन जारी होने के बावजूद जांच एजेंसी के समक्ष पेश न होने के कारण उनके खिलाफ दर्ज दो अलग-अलग मामलों में उन्हें बरी किए जाने को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने निचली अदालत के 22 जनवरी के आदेशों के खिलाफ ईडी द्वारा दायर दो याचिकाओं पर आम आदमी पार्टी (आप) के नेता को नोटिस जारी किया और मामले की सुनवाई 29 अप्रैल के लिए तय की। अदालत ने कहा, प्रतिवादी ने अग्रिम सूचना मिलने के बावजूद उपस्थित न होने का विकल्प चुना। नया नोटिस जारी करें और 29 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निचली अदालत में अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि केजरीवाल ने जानबूझकर समन पर अमल नहीं किया और जांच में शामिल नहीं हुए। उसका कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री ने बेबुनियाद आपत्तियां उठाई और जानबूझकर ऐसी दलीलें पेश कीं कि उन्हें जांच में शामिल न होना पड़े। सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने दलील दी कि निचली अदालत ने गंभीर त्रुटि की क्योंकि उसने अरविंद केजरीवाल को बरी कर दिया, जबकि इस बात पर कोई विवाद नहीं था कि समन विधिवत जारी और प्राप्त हुए थे, लेकिन वह एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुए।

यूपी में तेज बारिश, ओले भी गिरे, एमपी में अलर्ट

जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में एवलांच का खतरा

लखनऊ, एजेंसी। देश के पांच राज्यों में अगले तीन दिन मौसम में बदलाव रहेगा। उत्तर प्रदेश में बुधवार सुबह बारिश हुई, 40 जिलों में अलर्ट भी जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे में मथुरा, जालौन और कन्नौज में ओले गिरे। उधर एमपी में आधे प्रदेश में आंधी-बारिश का अलर्ट है। बुधवार को इंदौर, उज्जैन-ग्वालियर समेत 29 जिलों में अलर्ट है। 4 अप्रैल तक ऐसा ही मौसम रहेगा। उसके बाद 15 अप्रैल से प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ेगी। राजस्थान में 2 अप्रैल से फिर एक नया वेदर सिस्टम एक्टिव होगा। जिसके चलते बारिश होगी। मंगलवार को पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में एवलांच (हिमस्खलन) आया और कई रास्ते बंद हो गए हैं। अगले 24 घंटों में ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और एवलांच का अलर्ट जारी किया गया है। 1 से 4 अप्रैल तक आधे प्रदेश में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। बुधवार को इंदौर, उज्जैन-ग्वालियर समेत 29 जिलों में अलर्ट है। एमपी में 15 अप्रैल से भीषण गर्मी पड़ेगी। सबसे ज्यादा ग्वालियर-चंबल का इलाका तपेगा। वहीं इंदौर, भोपाल, उज्जैन और सागर संभाग के शहर भी गर्म रहेंगे। राजस्थान में बुधवार को हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, 2 अप्रैल से फिर एक नया वेदर सिस्टम एक्टिव होगा जिससे बारिश तेज होगी। राजस्थान में मंगलवार को पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में ओले गिरे। इससे फसलों को नुकसान हुआ है। यूपी में बेमौसम बारिश जारी है। बुधवार सुबह लखनऊ-अमेठी समेत 10 शहरों में बारिश हुई। बिजली गिरी। पिछले 24 घंटे की बात करें तो मथुरा, जालौन और कन्नौज में तेज ओले गिरे। बांदा सबसे गर्म शहर रहा। यहां का तापमान 41.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। हरियाणा में दो दिन बाद 3 और 4 अप्रैल को एक फिर मौसम बदलेगा। गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। मंगलवार को हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, रेवाड़ी, भिवानी और महेंद्रगढ़ में ओले गिरे।

शिवकुमार स्वामी जैसे संत समाज की आत्मा को आकार देते हैं : द्रौपदी मुर्मू

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि शिवकुमार स्वामी जैसे संत समाज एवं राष्ट्र की आत्मा को आकार देते हैं तथा उनकी आध्यात्मिक विरासत उनके देहावसान के बाद भी देश का पोषण करती रहती है। अपने अनुयायियों के बीच त्रिविध दासोही (भोजन, आश्रय और शिक्षा) के लिए प्रसिद्ध शिवकुमार स्वामी सिद्धगंगा मठ के पीठाधीश्वर थे। उनका 21 जनवरी 2019 को 111 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। राष्ट्रपति ने कहा कि परिश्रम, लोकसेवा और राष्ट्रसेवा परस्पर जुड़े हुए हैं तथा आध्यात्मिकता इन दोनों के लिए एक मजबूत और स्थायी आधार प्रदान करती है। यहां श्री सिद्धगंगा मठ में संत की 119वीं जयंती और गुरुवंदना समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, ष्मेरा मानना है कि श्री शिवकुमार स्वामीजी जैसे संत हमारे समाज और राष्ट्र की आत्मा को आकार देते हैं। उनका भौतिक शरीर वर्ष 2019 में पंचतत्व में विलीन हो गया, लेकिन उनकी विरासत आज भी समाज और देश का पोषण कर रही है। मुर्मु ने कहा कि गरीबों और वंचितों की सेवा को समर्पित संत का जीवन कल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति का एक अद्वितीय उदाहरण है। राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने अपनी आध्यात्मिक साधना के माध्यम से कई वर्षों तक मानवता को समृद्ध किया।

ईरानी राष्ट्रपति ने सीजफायर की अपील की : ट्रम्प

होर्मुज खुलने के बाद इस पर सोचेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरानी शासन के नए राष्ट्रपति अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कहीं कम कट्टरपंथी और कहीं अधिक बुद्धिमान हैं। उन्होंने अभी-अभी अमेरिका से युद्धविराम का अनुरोध किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पूरी तरह से खुला, मुक्त और सुरक्षित होने पर ही हम इस पर विचार करेंगे। तब तक हम ईरान को पूरी तरह तबाह कर देंगे या यूं कहें कि उसे पाषाण युग में वापस भेज देंगे। इससे पहले, मंगलवार को ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि अमेरिका जल्द ही ईरान से बाहर निकल आएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मुझे बस ईरान से निकलना है और हम बहुत जल्द ऐसा करेंगे। इसके बाद वे खुद ही गिर जाएंगे। आज शेयर बाजार लगभग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि दो उन्हें दो बातें पता हैं। पहली- हमारा देश सुरक्षित है। हमें थोड़ा रास्ता (तरीका) बदलना पड़ा, क्योंकि हमारे पास खामेनेई नाम का एक पागल व्यक्ति था, जो अब हमारे बीच नहीं है। हमने पहले शासन परिवर्तन कर लिया है। हमने एक शासन को हटाया। फिर दूसरे को हटाया। अब हमारे पास ऐसे लोगों का समूह है, जो बहुत अलग हैं। जो ज्यादा पहुंच में हैं। ट्रंप ने कहा था कि वह बिना किसी समझौते के भी वहां से निकल जाएंगे। उन्होंने कहा, नहीं..उन्हें मेरे साथ समझौता करने की जरूरत नहीं है। जब हमें लगेगा कि उन्हें लंबे समय के लिए पाषाण युग में पहुंचा दिया गया है और वे परमाणु हथियार नहीं बना पाएंगे, तब हम वहां से निकल जाएंगे। समझौता हो या न हो, इससे फर्क नहीं पड़ता।

हालांकि, संभवना है कि समझौता हो जाएगा, क्योंकि वे समझौता करना चाहते हैं। वे मुझसे ज्यादा समझौते करना चाहते हैं। लेकिन, जल्द यह सब खत्म हो जाएगा। वे कई वर्षों तक परमाणु हथियार नहीं बना पाएंगे। इसके अलावा, ट्रंप ने बुधवार को यह भी कहा कि वह उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) से अमेरिका को बाहर निकालने पर गहराई से विचार कर रहे हैं।

महंगाई को लेकर सरकार पर हमलावर कांग्रेस

जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने का लगाया आरोप

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने बुधवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जहां आम नागरिक राहत की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं भाजपा सरकार जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने में लगी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया, मोदी सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसका सीधा असर अब 140 करोड़ भारतीयों को भुगतना पड़ रहा है। खरगे ने कहा कि आज से कई रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम बढ़ने जा रहे हैं, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई है, जबकि आपूर्ति कम हो रही है। इसका असर सड़क किनारे चाय की कीमतों से लेकर मिड-डे मील योजना तक पड़ेगा। एविएशन टर्बाइन फ्यूल महंगा होने से हवाई यात्रा भी आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 900 से अधिक आवश्यक दवाएं महंगी हो गई हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की लागत और बढ़ेगी। इसके अलावा उन्होंने स्टेंट की कीमतों में वृद्धि, टोल टैक्स में बढ़ोतरी, स्पीड पोस्ट शुल्क में 34 प्रतिशत इजाफा, और प्लास्टिक, स्टील व सिरेमिक उद्योगों पर असर जैसे मुद्दों को भी उन्होंने उठाया। खरगे ने आरोप लगाया कि आम नागरिक, किसान, मजदूर और एमएसएमई सेक्टर राहत की उम्मीद कर रहे हैं।

हनुमान जन्मोत्सव पर दिल्ली वालों के लिए ट्रैफिक अलर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। मरघट वाले बाबा हनुमान मंदिर के निकट बृहस्पतिवार को आयोजित होने वाले हनुमान जन्मोत्सव समारोह के कारण बुधवार तथा बृहस्पतिवार को उत्तर और मध्य दिल्ली के कुछ हिस्सों में यातायात प्रभावित रहेगा। दिल्ली यातायात पुलिस की ओर से जारी परामर्श के अनुसार, मंदिर के आसपास कई धार्मिक शोभा यात्राएं और कार्यक्रम होंगे जिससे प्रमुख सड़कों पर जाम लग सकता है। बुधवार यानी एक अप्रैल को अपराह्न दो बजे से रात 11 बजे तक और बृहस्पतिवार यानी दो अप्रैल को पूरे दिन यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे। इस प्रतिबंध के कारण प्रभावित सड़कों में रिंग रोड (शांति वन और अंतरराज्यीय बस अड्डा (आईएसबीटी) कश्मीरी गेट के बीच दोनों ओर के मार्ग), श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, लोथियन रोड, नेताजी सुभाष मार्ग, निषाद राज मार्ग और बुलेवार्ड रोड शामिल हैं।

बंगाल में 47.4 लाख आपत्तियों का निपटारा

ममता की चिंता पर सुप्रीमकोर्ट ने कहा, न्यायाधिकरण काम करने दो, 6 अप्रैल को अगली सुनवाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत 31 मार्च यानी मंगलवार तक कुल 60 लाख आपत्तियों में से लगभग 47.4 लाख का निपटारा किए जाने पर बुधवार को गौर किया और इस प्रक्रिया में हुई प्रगति पर संतोष जताया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने इस प्रक्रिया की प्रगति के बारे में कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से मिले दो पत्रों का संज्ञान लिया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम इन तथ्यों एवं आंकड़ों से काफी खुश हैं और बहुत आशावादी हैं। उन्होंने इस बात पर गौर किया कि रोजाना करीब 1.75 लाख से दो लाख आपत्तियों का निपटारा किया जा रहा है। न्यायालय को बताया गया कि निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने या हटाए जाने के खिलाफ अपीलों की सुनवाई के लिए 19 अपीलीय न्यायाधिकरणों के गठन की अधिसूचना जारी की है। इनकी अध्यक्षता उच्च न्यायालयों के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीश करेंगे। प्रधान न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि न्यायाधिकरणों को निर्वाचन आयोग के रिकॉर्ड तक पूरी पहुंच दी जाए जिसमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के 700 न्यायिक अधिकारियों की ओर से दर्ज किए गए कारण भी शामिल होंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पक्षकारों को भी ये कारण उपलब्ध कराए जाएं। न्यायालय ने यह भी कहा कि न्यायाधिकरण प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप अपनी प्रक्रिया तय कर सकते हैं, लेकिन उन्हें दस्तावेजों की सत्यता की जांच किए बिना नए दस्तावेज स्वीकार करने से बचना चाहिए।

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर दिल्ली में 195 रुपये महंगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति संबंधी बाधाओं के बीच तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार से 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में भारी-भरकम बढ़ोतरी की घोषणा की है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पहली अप्रैल से 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर 2,078.50 रुपये का मिलेगा। इसकी कीमत गत 07 मार्च को बढ़ाकर 1,883 रुपये की गयी थी। इस प्रकार अब यह 195.50 रुपये यानी 10.38 प्रतिशत महंगा हो गया है। इस साल एक जनवरी से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में यह पांचवीं बढ़ोतरी है। इस दौरान दिल्ली में यह 498 रुपये महंगा हो चुका है। घरेलू इस्तेमाल वाले 14 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें 07 मार्च को 60 रुपये की वृद्धि की गयी थी और फिलहाल दिल्ली में इसकी कीमत 913 रुपये प्रति सिलेंडर है। कोलकाता में पहली अप्रैल से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 218 रुपये (10.95 प्रतिशत) महंगा होकर 2,208 रुपये का और मुंबई में 196 रुपये (10.68 प्रतिशत) की बढ़ोतरी के साथ 2,031 रुपये का हो गया है। चेन्नई में इसकी कीमत 203 रुपये (9.93 प्रतिशत) बढ़कर अब 2,246.50 रुपये प्रति सिलेंडर पर पहुंच गयी है।

दो दिवसीय बाल शिक्षा पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन

➲ इडुनिक पब्लिकेशन से प्रकाशित चार पुस्तकों का हुआ विमोचन ➲ ए आई एवं डिजिटल युग में पुस्तकें महत्वपूर्ण- डॉ. राजबहादुर यादव ➲ किताबें ही संस्कार विकसित करेंगी- प्रो. राकेश कुमार यादव ➲ बच्चों के भावनात्मक विकास में डिजिटल प्लेटफार्म बहुत बड़ी बाधा - प्रो. मोती लाल गुप्त ➲ शिक्षा समाज निर्माण का प्रमुख साधन - विकास यादव ➲ तकनीकी माध्यम से शिक्षा प्रत्यक्ष शिक्षा का स्थान नहीं ले पाएगी - प्रो. अजय कुमार दुबे ➲ डिग्री और नौकरी के साथ सामाजिक सूझ-बूझ भी जरूरी: प्रो अजय कुमार

इडुनिक पब्लिकेशन एंड रिसर्च सेंटर, नईगंज जौनपुर के द्वारा प्रकाशित चार पुस्तकों का विमोचन हुआ जिसमें से तीन पुस्तक शैक्षिक दर्शन, शैक्षिक मनोविज्ञान और बाल्यावस्था एवं उसका विकास पब्लिकेशन के संस्थापक चीफ एडिटर डॉ अरविन्द कुमार यादव तथा एक पुस्तक इक्कीसवीं सदी में डॉ. उमेंद्र कुमार ने लिखी है। इससे पूर्व सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा बाल शिक्षा पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो. मोती लाल गुप्त ने फीता काट कर किया। दस वर्ष से कम आयु के बच्चों को कापी- कलम सम्मानित अतिथि प्रो अजय कुमार चतुर्वेदी, विकास यादव, डॉ अरविन्द कुमार यादव, राजकुमार यादव, सुरेन्द्र कुमार द्वारा भेंट किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व प्रोवीसी बीर टिकेंद्र जीत विश्वविद्यालय इंफाल मणिपुर प्रो. अजय कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि डिग्री और नौकरी के साथ-साथ सामाजिक सूझबूझ भी जरूरी है। वर्तमान विश्व में जो स्थिति पैदा हुई है वह भौतिकतावादी प्रवृत्ति को दर्शाती है तथा एक दूसरे पर जबरदस्ती को दर्शाती है। एजुकेशन डीन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर प्रो. अजय कुमार दुबे ने कहा कि प्रत्यक्ष शिक्षा का स्थान कभी भी तकनीकी माध्यम से मिलने वाली शिक्षा नहीं ले सकती है क्योंकि प्रत्यक्ष शिक्षा आमने-सामने भाव विचार अभिव्यक्ति और क्रिया प्रतिक्रिया द्वारा संपन्न होती है जिसमें शिक्षक और छात्र एक दूसरे को अच्छे से समझ पाते हैं। पूर्व एनएसएस समन्वयक, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर प्रो. राकेश कुमार यादव ने कहा कि वास्तविकता तो यह है कि ए आई और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से बच्चों में संस्कार नहीं विकसित हो सकता है बच्चों में संस्कार विकसित करने के लिए किताबें, माता-पिता एवं अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान एनएसएस समन्वयक पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर प्रो. राजबहादुर यादव ने कहा कि ए आई और डिजिटल युग में भी पुस्तकों के उपयोगिता कम नहीं हैं क्योंकि पुस्तकों में लिखी हुई बातें ही ऑनलाइन प्लेटफार्म पर है पुस्तक हमेशा से उपयोगी रही हैं और रहेंगी। धर्मा देवी ग्रुप आफ कॉलेज हयातगंज के प्रबंधक विकास यादव ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज का विकास हो सकता है और लोगों को अपनी आने वाली पीढ़ी को मार्गदर्शन करने में मदद मिलती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त पूर्व प्राचार्य गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोदपुर, जौनपुर प्रो. मोतीलाल गुप्त ने कहा कि बच्चों के भावनात्मक विकास में डिजिटल प्लेटफॉर्म और ए आई के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिक्षा बहुत बड़ी बाधा है। भावनात्मक विकास शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विकास की तरह बहुत महत्वपूर्ण होता है। बच्चों के भावनात्मक विकास का पर माता पिता, अभिभावक एवं पास पड़ोस को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उपस्थित अतिथियों ने छोटे छोटे बच्चों को कापी कलम भेंट किया तथा उन्हें बाल मनोविज्ञानशाला का भ्रमण कराया गया। इन सब कामों में पहल डिजिटल पुस्तकालय, बेलापार तथा लिटिल फ्लावर किड्स कैंपस स्कूल नईगंज का विशेष योगदान रहा है। धन्यवाद ज्ञापन के बाद राष्ट्गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया इस अवसर पर डॉ. सुरेश चन्द्र मौर्य, डॉ. राजेंद्र प्रसाद यादव, डॉ. अमित कुमार गुप्ता, डॉ. संजय वर्मा, धीरेंद्र कुमार, ब्रह्मजीत सिंह, अखिलेश दूबे, संतोष मिश्रा, राम विजय चौरसिया, विकास चौबे, सुरेश यादव, जयप्रकाश यादव, राजकुमार, सुशील कुमार, प्रमोद कुमार, अभिषेक पाण्डेय, अनुराग यादव, सत्येंद्र कुमार, मैन बहादुर, भारतेंदु यादव, अवधेश कुमार, लालचंद सहित कई शिक्षा प्रेमी उपस्थित थे। ज्ञान शक्ति सेवा फाउंडेशन नई दिल्ली भारत के संस्थापक, डायरेक्टर और राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉज़ परमानन्द शुक्ल विद्यावाचस्पति द्वारा इस कार्य हेतु इडुनिक पब्लिकेशन और डॉज़ अरविंद यादव की प्रसंशा करते हुए प्रसंशा पत्र जारी करते हुए हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ दिए।

थाना दिबियापुर पुलिस द्वारा एक नफर वांछित अभियुक्त किया गया गिरफ्तार

औरैया ब्यूरो दिलीप कुमार। उ0नि0 सुरेन्द्र कुमार मय हमराह थाना दिबियापुर द्वारा 01 नफर वांछित अभियुक्त- मो0 तारिक खाँन उर्फ चमन पुत्र जिलानी नि0 जुबैरी मुहल्ला थाना फफूँद जनपद औरैया उम्र करीब 38 बर्ष को सम्बन्धित मु0अ0सँ0 124/2026 धारा 62/64/127(2)/74/76 भारतीय न्याय सँहिता थाना दिबियापुर जनपद औरैया को वैसुन्धरा चौराहा नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया।

देवेन्द्र कश्यप निडर की कहानी का आज आकाशवाणी लखनऊ से होगा प्रसारण

लखनऊ सुपरफास्ट सिधौली। क्षेत्र के अल्लीपुर गॉव निवासी साहित्यकार देवेन्द्र कश्यप निडर की अवधी कहानी का आकाशवाणी लखनऊ से आज शाम 6÷30 बजे से प्रसारित होगी। इस कहानी का शीर्षक जलमदिन है। जो भारतीय संस्कृति को प्रतिबिंबित करती है तथा बालमन को रोमांचित करती है। यह एक संदेश परक कहानी है। बताते चलें कि देवेन्द्र कश्यप निडर की कई कहानियां जैसे- अम्मा, ठूंठ और चिरैयन कै इच्छा आदि आकाशवाणी लखनऊ से पहले ही प्रसारित हो चुकी है। श्रमिक जगत में मजदूरों के समर्थन में इनका एकल काव्यपाठ भी हो चुका है तथा आकाशवाणी लखनऊ द्वारा आयोजित लोकायतन की कवि गोष्ठी में भी काव्यपाठ कर चुके हैं। देवेन्द्र कश्यप निडर की रचनाएं आम जन मानस की भावनाओं का अनुवाद करती हें। इस उपलब्धि हेतु देवेन्द्र को केदारनाथ शुक्ल, रोहित विश्वकर्मा, रामशंकर वर्मा, अनुज विकल, विनोद शर्मा सागर, अनिल अनिकेत, राजेश कश्यप, आर डी वर्मा, चन्द्रशेखर प्रथापति, सूर्यबक्श सिंह, नन्दकिशोर मिश्र, सुनीता यादव सहित तमाम शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं दी हैं।

साइबर ठगी का शिकार हुई महिला खाते से उड़े 27 हजार आठ सौ रूपए

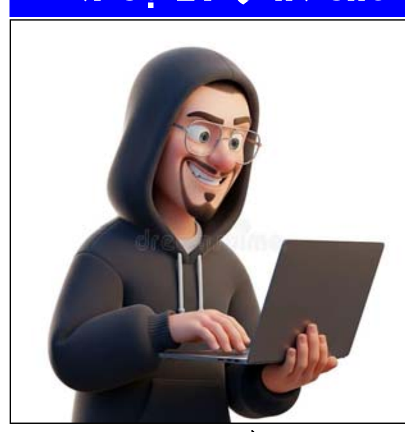

लखनऊ सुपरफास्ट सिधौली सीतापुर। क्षेत्र के अंतर्गत साइबर ठगी का एक बड़ा प्रकरण प्रकाश में आया है। यहां रहने वाली 32 वर्षीय अनामिका सिंह भदौरिया पत्नी राजन सिंह के बैंक खाते से अज्ञात जालसाजों ने 27 हजार 800 रुपए की राशि पार कर दी। पीड़िता ने मामले की लिखित शिकायत सिधौली क्षेत्राधिकारी व बैंक में दर्ज कराई है पीड़िता ने बताया कि मेरा खाता सिधौली के पंजाब नेशनल बैंक में बचत खाता खुलवाया था जिसमें 32000 रुपए जमा कराए थे, प्रार्थनी ने बीते दो महीने से कोई लेनदेन नहीं किया था, जब बीते माह मार्च में एटीम से रुपए निकालने लगी तो पता चला खाते में रुपए ही नहीं है. तत्काल यह दंपति बैंक पहुंचा और वहां पदस्थ कर्मचारियों से जानकारी प्राप्त की। बैंक स्टाफ द्वारा खाते की सघन जांच करने पर यह तथ्य सामने आया कि चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 27800 रुपए निकाले जा चुके हैं। पीड़िता का आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी को अंजाम देते हुए उनके बैंक खाते में सेंध लगाई है। फिलहाल पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारी पूरे मामले में तफ्तीश कर रहे है।

वीरांगना अवन्तीबाई जिला महिला अस्पताल में अंतरा-एससी तकनीकी की शुरुआत

रंजीत सिंह/लखनऊ। वीरांगना अवन्तीबाई जिला महिला अस्पताल में अस्थायी परिवार नियोजन के तहत त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा की नई तकनीक अंतरा-सबक्यूटेनियस (त्वचा के नीचे, एससी) का शुभारम्भ मंगलवार को प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ज्योति मल्होत्रा ने लाभार्थी को इंजेक्शन लगाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि अंतरा-एससी को बास्केट ऑफ चॉइस में शामिल किया गया है। यह एक अस्थायी गर्भनिरोधक साधन है, जिसे प्रत्येक तीन माह पर लगाया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले दिया जाने वाला अंतरा (इंट्रामस्कुलर) इंजेक्शन मांसपेशियों में लगाया जाता था, जो अब भी उपलब्ध है और आगे भी जारी रहेगा। दोनों तकनीकों के बीच अंतर बताते हुए उन्होंने कहा कि अंतरा-एससी अपेक्षाकृत कम दर्द वाला है और इसकी डोज भी कम होती है। जहां अंतरा-इंट्रामस्कुलर की मात्रा 1 मिली होती थी, वहीं अंतरा-एससी केवल 0.6 मिली में दिया जाता है। साथ ही इसका अवशोषण भी बेहतर होता है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन महिलाओं को पहले से अंतरा-इंट्रामस्कुलर लगाया जा चुका है, उन्हें वही इंजेक्शन आगे भी दिया जाएगा, जबकि अंतरा-एससी नए लाभार्थियों के लिए उपलब्ध रहेगा। **कौन ले सकता है लाभ**-मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रेनू पंत ने बताया कि माहवारीके1से7दिनकेभीतर प्रसव के बाद स्तनपान कराने वाली महिलाएं (प्रसव के 6 सप्ताह बाद) प्रसव के बाद स्तनपान न कराने वाली महिलाएं (प्रसव के 4 सप्ताह बाद) गर्भपात के तुरंत बाद उन्होंने बताया कि यदि कोई महिला गर्भधारण करना चाहती है, तो इंजेक्शन बंद करने के 7 से 10 माह के भीतर गर्भधारण संभव है। कार्यक्रम के पहले दिन कुल तीन महिला लाभार्थियों को अंतरा-एससी की डोज दी गई। अधिक जानकारी के लिए लाभार्थी राष्ट्रीय परिवार नियोजन हेल्पलाइन के टोल-फ्री नंबर 1800-11-6555 पर संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर चिकित्सक डॉ. रंजना प्रसाद, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सलमान खान , परिवार कल्याण परामर्शदाता सरिता शुक्ला सहित नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

स्कूलों में अब बच्चों को मिलेगा प्राथमिक उपचार, मेडिकल किट की व्यवस्था

परिषदीय विद्यालयों में कंपोजिट ग्रांट से खरीदी जाएंगी किटें, बीएसए ने दिए निर्देश

जहांगीराबाद। जिले के परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। अब पढ़ाई के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर बच्चों को स्कूल परिसर में ही प्राथमिक उपचार मिल सकेगा। शासन के निर्देश पर विद्यालयों में प्राथमिक उपचार सुविधा शुरू की जा रही है। परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों के साथ-साथ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में भी मेडिकल किट उपलब्ध कराई जाएगी। इन किटों में आवश्यक दवाएं और प्राथमिक उपचार से जुड़ी सामग्री शामिल रहेगी। यह किटें कंपोजिट ग्रांट से खरीदी जाएंगी, जिससे आपात स्थिति में बच्चों को तत्काल राहत दी जा सके। बीएसए लक्ष्मीकांत पांडे ने प्रधानाध्यापकों को मेडिकल किट खरीदने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि निरीक्षण के दौरान यदि विद्यालय में किट उपलब्ध नहीं मिली तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मेडिकल किट में जीवन रक्षक घोल, ओआरएस, बुखार व दर्द की दवा, एंटीबायोटिक, सिरप, मलहम, रुई और पट्टी सहित अन्य आवश्यक सामग्री रखी जाएगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। इससे पहले विद्यालयों में प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था न होने के कारण मामूली बीमारी भी गंभीर रूप ले लेती थी।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान का आगाज, डीएम ने किया शुभारंभ

➲ शहर से गुजरी जागरूकता रैली, वेक्टर कंट्रोल वाहन, किया जागरूक

जिला संवाददाता प्रदीप कुमार वर्मा लखनऊ सुपरफास्ट लखीमपुर खीरी। रैली, वेक्टर कंट्रोल वाहन रवानाज माहभर चलेगा अभियान, दिमागी बुखार पर फोकस संचारी रोगों पर नियंत्रण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता~ डीएम संचारी रोगों को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करने का लिया संकल्प संचारी रोगों से निपटने के लिए बुधवार को जिले में ÷संचारी रोग नियंत्रण अभियान÷ का भव्य शुभारंभ हुआ। कलेक्ट्रेट से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने रैली में मौजूद प्रशिक्षु एएनएम शिल्पी को कैंची सौंपकर फीता काटवाया और अभियान की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता और एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह की उपस्थिति में जन जागरूकता रैली और वेक्टर कंट्रोल वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा उक्त का त्वरित एवं सही उपचार राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। जिले में स्वास्थ्य से जुड़े दोनों प्रमुख अभियानो के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन हो, भविष्य में उनके अच्छे परिणाम प्राप्त हो, इसके लिए पूरी टीम को शुभकामनाएं देती हूं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में संवेदनशीलता के साथ केंद्र व प्रदेश सरकार काम कर रही है। उन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र में ना केवल सरकार की ओर से किए गए प्रयासों का जिक्र किया बल्कि सकारात्मक परिणाम भी गिनाएं। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने कहा कि संचारी रोगों व दिमागी बुखार के खिलाफ यह सिर्फ अभियान नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए जनजागरुकता की लड़ाई है। राज्य सरकार इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने माहभर तक चलने वाले शासन के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम ÷संचारी रोग नियंत्रण अभियान÷ की प्लानिंग व रूपरेखा को रेखांकित करते हुए इसकी आवश्यकता और प्रासंगिकता बताइ।

दस्तक अभियानः आशा करेंगी घर-घर सर्वे, मरीजों की होगी पहचान

दस्तक अभियान (10 से 30 अप्रैल) के तहत आशा कार्यकर्त्रियां घर-घर जाकर संचारी रोगों से बचाव, लक्षण और उपचार की जानकारी देंगी। डेंगू, मलेरिया, दिमागी बुखार समेत अन्य रोगों के लक्षणयुक्त मरीजों की पहचान कर सूची बनाई जाएगी। बच्चों में बुखार होने पर तुरंत सरकारी अस्पताल में दिखाने की सलाह दी गई है। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन 1800-180-5145 जारी की गई है। इस जागरूकता रैली में आशा, आंगनबाड़ी, एएनएम, स्वच्छता दूत भी बड़ी संख्या में शामिल रहे। यह रैली जागरूकता नारों का उदघोष करते हुए शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरी। इस मौके पर एसीएमओ डॉ सत्यप्रकाश मिश्र, डिप्टी सीएमओ डॉ धनीराम, जिला मलेरिया अधिकारी हरिशंकर, डीपीएम अनिल यादव, डीसी (आर.के.एस.के.) सचिन गुप्ता मौजूद रहे।

पानपुर पूर्व कन्या माध्यमिक विद्यालय में चोरों का धावा

लखनऊ सुपरफास्ट अटरिया सीतापुर। इलाके के पानपुर पूर्व कन्या माध्यमिक विद्यालय में चोरों का धावा। बताते चलें कि पानपुर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में बीती रात बेखौफ चोरों ने धावा बोल दिया जहां खिड़की तोड़ अंदर प्रवेश हुए कक्ष में रखी खेलकूद की कीट तराजू सहित बच्चों की जरुरी वस्तु एवं हजारों का माल साफ कर दिया। प्रधान प्रतिनिधि के अनुसार पुलिस को सूचना दी गई है। अटरिया पुलिस चोरी के मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज में नए सत्र के शुभारंभ

लखनऊ सुपरफास्ट अटरिया सीतापुर। क्षेत्र के जजौर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज में नए सत्र के शुभारंभ पर छात्र-छात्राओं का तिलक चंदन कर विद्यालय में स्वागत किया गया। बताते चलें कि जजौर स्थित मॉडल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य नरेंद्र प्रसाद तिवारी के नेतृत्व में अप्रैल माह के प्रथम दिवस बुधवार को स्कूल आने वाले तमाम छात्र-छात्राओं का बेहतर तरीके से तिलक चंदन करते हुए उनका स्वागत किया प्रधानाचार्य नरेंद्र प्रसाद तिवारी ने बताया कि नए सत्र के शुभारंभ पर बच्चों का स्वागत किया गया है और उनको बेहतर शिक्षा देने के लिए सभी शिक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

ताजेंद्र कुमार क्षेत्र पंचायत सदस्य ने वाल्मीकि मंदिर पर शेरावाली मां की मूर्ति की कराई स्थापित

संदीप उपाध्याय दैनिक लखनऊ सुपरफास्ट जिला ब्यूरो चीफ बिजनौर। ग्राम राहतपुर में क्षेत्र पंचायत सदस्य ताजेंद्र कुमार ने श्री वाल्मीकि मंदिर पर शेरावाली मां की मूर्ति स्थापित कराई मूर्ति स्थापित करने से पहले मां की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा पंडित सौरभ के द्वारा की गई,व मोटा महादेव मंदिर से कलश यात्रा प्रारंभ कर श्री वाल्मीकि मंदिर राहतपुर पर समाप्त की गई,मूर्ति स्थापित कराने व कलश यात्रा में समस्त ग्राम वासियों का सहयोग रहा, ताजेंद्र कुमार ने बताया कि हम समय समय पर क्षेत्र में धर्म व सामाजिक कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग देते रहते हैं और आगे भी इसी प्रकार हम इस तरह के कार्य करते रहेंगे, यात्रा के दौरान तजेंद्र कुमार, विजय पाल, राजकुमार, सोनू डॉ चरण सिंह, कपिल राजपूत, संगीता, रीना, बिना, पूजा व समस्त ग्राम वासियों का हमें पूर्ण रूप से सहयोग मिला, कल मूर्ति स्थापना के उपलक्ष में मंदिर पर भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है।

सुबह 5 बजे का अलार्म और गरजने लगे बुलडोजर! खाकी के पहरे में टूटी पुलिस चौकी

हरदोई चुंगी पर भारी फोर्स के बीच चला प्रशासन का डंडा

लखनऊ सुपरफास्ट सीतापुर। शहर के हरदोई चुंगी पर सुबह की पहली किरण के साथ ही वो मंजर देखने को मिला जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। अमूमन जब शहर सो रहा होता है, तब प्रशासन ने आंखें खोल ली थीं। सुबह ठीक 5÷00 बजते ही भारी-भरकम मशीनों के गरजने की आवाज ने सन्नाटे को चीर दिया और शुरू हो गया प्रशासन का अतिक्रमण हटाओ महा-अभियान अभियान की शुरुआत बेहद हैरान करने वाली रही, जब सबसे पहले हरदोई चुंगी पर स्थित पुलिस चौकी को ही मलबे में तब्दील कर दिया गया।

अपनी ही चौकी पर हथौड़ा चलाकर प्रशासन ने यह साफ संदेश दे दिया कि नियम सबके लिए बराबर हैं और इस बार कोई भी रियायत नहीं मिलने वाली है। इस औचक और सख्त कार्रवाई को अंजाम देने के लिए मौके पर अमला भी छोटा-मोटा नहीं था। जिले के आला अधिकारियों ने खुद मोर्चा संभाल रखा था। एडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट, एसडीएम, तहसीलदार और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (ईओ) वैभव त्रिपाठी सहित अधिकारियों का एक बड़ा काफिला मौके पर डटा रहा। किसी भी विरोध या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पीएसी (पीएसी) बल और कई थानों की पुलिस फोर्स ने इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया था। भारी संख्या में तैनात पुलिसकर्मियों के बूटों की धमक और अफसरों की मौजूदगी ने अतिक्रमणकारियों के हौसले पस्त कर दिए। सुबह-सुबह हुई इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

घोरावल पुलिस द्वारा प्रॉपर्टी डीलर की हत्याकांड का किया पर्दाफाश, 03 अभियुक्त हुए गिरफ्तार

क्राइम ब्यूरो मांतेश्वरी(सिंह) जिला वाराणसी से ख़ास खबरें- सोनभद्र। राबर्ट्सगंज पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस द्वारा हत्या के एक सनसनीखेज प्रकरण का सफल अनावरण करते हुए 03 अभियुक्तों चन्द्रशेखर मौर्य उर्फ मखंचू पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम पड़रिया, थाना संतनगर, जनपद मिर्जापुर, साहब लाल मौर्य पुत्र संग्राम मौर्य निवासी ग्राम पेढ़ नौगढवा, थाना घोरावल, जनपद सोनभद्र, लीलावती पत्नी साहब लाल मौर्या निवासी ग्राम पेढ़ नौगढवा को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है मृतक के भाई घासी मौर्या पुत्र स्व0 कालिका मौर्या निवासी लोकुआ थाना धानापुर जनपद चंदौली के तहरीर पर थाना घोरावल पर पंजीकृत मु0अ0सं0 63/2026 धारा 103(1), 238 बीएनएस से संबंधित प्रकरण में वादी के भाई कुंवर मौर्य की दिनांक 22/03/26 को रात्रि में हत्या कर शव को सिरसी डैम थाना संतनगर (मिर्जापुर) में फेंक दिया गया था। उक्त घटना के संबंध में पूर्व में शव बरामद कर विधिक कार्यवाही की जा चुकी है तथा अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी उसी सिलसिले में विवेचक प्र0नि घोरावल द्वारा मय हमराह पुलिस टीम के साथ अभियुक्तों की तलाश में रवाना होकर घोरावल तिराहा पर मौजूद थे तभी मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि मुकदमे से संबंधित अभियुक्तगण खुटहा बाईपास तिराहा पर किसी वाहन का इंतजार कर रहे हैं। प्राप्त सूचना पर विश्वास करते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्परता से घेराबंदी कर मौके पर पहुंचकर हिकमत अमली से 02 पुरुष व 01 महिला को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार अभियक्तों ने पुछताछ में अपना नाम चन्द्रशेखर मौर्य उर्फ मखंचू , साहब लाल मौर्य पुत्र संग्राम मौर्य,लीलावती पत्नी साहब लाल मौर्या बताया तथा अभियुक्तों ने कुंवर मौर्या की हत्या करना स्वीकार किया गया। तत्पश्चात तीनों अभियुक्तों को विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए आज बुधवार को खुटहा बाईपास तिराहा के पास समय करीब 09-52 बजे पुलिस हिरासत में लिया गया गिरफ्तार अभियुक्ता लीलावती पत्नी साहब लाल मौर्य ने पूछने पर बताया कि मृतक कुंवर मौर्य मेरे रिश्तेदार थे। रिश्ते में वह मेरे नंदोई नगरु मौर्य के सगे भाई थे। रिश्तेदारी के कारण उनका मेरे यहां आना-जाना रहता था तथा इस दौरान उनके साथ मेरे नजदीकी संबंध भी स्थापित हो गए थे। वह जमीन खरीदने-बेचने का कार्य करते थे तथा लालगंज, जनपद मिर्जापर में किराये का कमरा लेकर रहते थे और मेरे घर ग्राम नौगढवा पेढ़ अक्सर आते-जाते रहते थे मेरी बहन का लड़का चन्द्रशेखर मौर्य उर्फ मखंचु से करीब 01 वर्ष पूर्व कुंवर मौर्य ने 07 लाख रुपये उधार लिए थे, यह कहकर कि जमीन खरीदकर होने वाले मुनाफे में हिस्सा देंगे उक्त धनराशि चन्द्रशेखर द्वारा

ब्याज पर लेकर दी गई थी। जब भी पैसे की मांग की जाती थी तो वह टालमटोल करते रहते थे मेरी पुत्री सुमन मौर्य की शादी कुंवर मौर्य द्वारा हर्ष पुत्र विजयी निवासी तिखापुर थाना सकलडीहा, जनपद चंदौली से कराई गई थी। सुमन मौर्य के ससुराल पक्ष द्वारा उसके नाम से लगभग 06 बिस्वा जमीन खरीदी गई थी किन्तु कुछ समय पश्चात कुंवर मौर्य ने उक्त शादी तुड़वा दी तथा अपने पुत्र रवि मौर्य से उसका विवाह करा दिया। विवाह के बाद भी सुमन मौर्य को बहु के रूप में अपने गांव नहीं ले जाया गया तथा उसे सकलडीहा में किराये के मकान में रखा गया। रवि मौर्य चेन्नई में रहकर निजी नौकरी करता है।इसी दौरान सुमन मौर्या के नाम की जमीन को लगभग 15 लाख रुपये में बेचकर उसकी धनराशि कुंवर मौर्य ने अपने खाते में जमा कर ली तथा मेरी पुत्री के खाते में नहीं डाली। मेरी पुत्री ने मुझे बताया कि कुंवर मौर्य उसके प्रति गलत नजर रखते थे। पूछताछ में यह भी प्रकाश में आया कि सह-अभियुक्त चन्द्रशेखर मौर्य उर्फ मखंचु की बहन, जो बोलने में असमर्थ (गुंगी) थी की शादी भी मृतक कुंवर मौर्या द्वारा तुड़वा दी गई थी तथा उसके प्रति भी उसकी नीयत ठीक नहीं थी, जिससे अभियुक्तगण के मन में उसके प्रति और अधिक आक्रोश उत्पन्न हो गया था इन सभी बातों से तंग आकर मैंने, तथा मेरे पति साहब लाल मौर्य तथा चन्द्रशेखर मौर्य उर्फ मखंचू ने मिलकर कुंवर मौर्य की हत्या करने की योजना बनाई और 22 मार्च को मैंने कुंवर मौर्या को फोन करके अपने घर ग्राम नौगढवा पेढ़ बुलाया। वह अपनी कार से चालक रोहित के साथ सायं करीब 06-00 बजे पहुंचे। मैंने उन्हें खाना बनाकर खिलाया, इस दौरान उन्होंने शराब का सेवन भी किया। खाना खाने के बाद चालक रोहित बाहर कार में सोने चला गया तथा कुंवर मौर्या घर के अंदर सो गए रात्रि लगभग 10-30 से 11-00 बजे के बीच मैंने अपने दूसरे मोबाइल नंबर से चन्द्रशेखर मौर्य उर्फ मरखंचू को घर बुलाया, जो घर के पीछे से अंदर आया। इसके पश्चात मैं, मेरे पति एवं चन्द्रशेखर मौर्या उर्फ मखंचू तीनों ने मिलकर बिस्तर पर सो रहे कुंवर मौर्या का गला दबाकर हत्या कर दी हत्या के बाद मखंचू ने मृतक के दोनों हाथ-पैर बांध दिए तथा शव को पुरानी साड़ी में लपेट दिया। इसके बाद बाहर जाकर कार में सो रहे चालक रोहित को जगाया और उसे डरा-धमकाकर शव को कार की डिग्गी में रखवाया। मेरे पति घर पर ही रुक गए। कार में चालक रोहित के बगल में मखंचु बैठा तथा मैं पीछे बैठ गई। चालक रोहित से कार चलवाकर हम लोग सिरसी डैम पहंचे, जिसका रास्ता मखंचु को पहले से ज्ञात था। वहां हमने शव को पत्थर से बांधकर पुलिया से नीचे फेंक दिया। इसके बाद हम लोग कार से लालगंज, चनार होते हुए सकलडीहा, जनपद चंदौली पहंचे, जहां चालक रोहित को घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके पश्चात मैं एवं मखंचू मुगलसराय से ट्रेन द्वारा वापस अपने गांव आ गए। घटना के बाद मृतक के दो मोबाइल फोन मेरे घर पर ही रह गए थे, जिन्हें दिनांक 24.03.2026 को मैं अपने साथ लेकर ट्रेन से सकलडीहा गई और रास्ते में चलती ट्रेन से फैंक दिया। दिनांक 26.03.2026 को मुझे जानकारी हुई कि चालक रोहित द्वारा घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है और वे लोग थाना धानापुर गए हैं। इस पर मैंने अपने मोबाइल नंबरों की सिम निकालकर जला दी तथा अपने पति की सिम भी तोड़ दी।इसके पश्चात मैं, मेरे पति एवं मखंचू घर में ताला लगाकर विभिन्न स्थानों पर रिश्तेदारी में छिपते फिर रहे थे आज हम लोग कहीं बाहर जाने की फिराक में थे कि पुलिस द्वारा हमें पकड़ लिया गया अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम मे प्रभारी निरीक्षक श्री बृजेश सिंह थाना घोरावल जनपद सोनभद्र, उ0नि0 सुनील कुमार थाना घोरावल जनपद सोनभद्र,का0 योगेश पटेल थाना घोरावल, का0 हरिश्याम थाना घोरावल, म0का0 दिव्या त्रिपाठी थाना घोरावल,चालक का0 शिवमंगल यादव थाना घोरावल जनपद सोनभद्र शामिल रहे।

कुछ ऐसे तत्व हैं जो धर्म का सहारा लेकर मासूम जनता को गुमराह करते हैं: आफाक

लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के कन्वीनर मोहम्मद आफाक ने जारी एक बयान में कहा कि हमारे देश में कुछ तथाकथित धार्मिक नेता अपनी व्यक्तिगत पहचान और राजनीतिक दलों के नेताओं के सामने अपना प्रभाव जमाने के लिए जनता के मुद्दों को नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्व धर्म का सहारा लेकर मासूम जनता को गुमराह करते हैं, जिससे न सिर्फ सामाजिक सद्भाव प्रभावित होता है बल्कि जनता के वास्तविक मुद्दे भी हल नहीं हो पाते।मोहम्मद आफाक ने आगे कहा कि धर्म इंसानियत, भाईचारे और सच्चाई का संदेश देता है, लेकिन अफसोस की बात है कि कुछ लोग अपने स्वार्थ के लिए धर्म का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता को चाहिए कि ऐसे स्वार्थी और अवसरवादी धार्मिक नेताओं की बातों में न आएं और सच-झूठ में फर्क समझें।उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि वे जागरूक बनें, शिक्षा और तथ्यों के आधार पर अपने फैसले करें और ऐसे लोगों से दूर रहें जो समाज में नफरत और विभाजन फैलाने का काम कर रहे हैं। अंत में उन्होंने कहा कि देश की तरक्की और खुशहाली इसी में है कि हम सब मिलकर भाईचारे, शांति और एकता को बढ़ावा दें और हर उस ताकत का मुकाबला करें जो हमें बांटने की कोशिश करती है।

शासन ने आई पी एस अफसर,इला मारन जी को एटा जिले का पुलिस अधीक्षक बनाया

➲ 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं इलामारन जी ➲ अपराध पर अंकुश लगाने में कामयाब आईपीएस अफसर

माता प्रसाद शुक्ला जिला संवाददाता अमेठी। शानदार ढंग से एसपी अमेठी की जिम्मेदारी बखूबी निभा चुके खुशमिजाज और जिंदादिल इंसान जिम्मेदार अधिकारी के रूप में अपनी अलग पहचान बनाने वाले जनपद मऊ के पुलिस अधीक्षक रहे 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी डॉक्टर इलामारन जी का तबादला कर उन्हें एटा का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (स्स्क) नियुक्त किया गया है। मऊ जिले में करीब 2 वर्ष 1 माह 13 दिन तक मऊ में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था को नई दिशा दी और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर अपनी अलग पहचान बनाई। 17 फरवरी 2024 को मऊ के एसपी के रूप में कार्यभार संभालने वाले डॉ0 इलामारन जी ने शुरुआत से ही सख्त तेवर दिखाए.। उनके नेतृत्व में चलाया गया ÷ऑपरेशन क्लीन÷

अभियान अमेठी में अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के रूप में सामने आया। इस अभियान के तहत हिस्ट्रीशीटरों, वांछित अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी शिकंजा कसा गया जिससे अपराध में उल्लेखनीय कमी हुई...डॉ0 इलामारन जी की कार्यशैली पुलिस विभाग में पारदर्शिता, त्वरित कार्रवाई और जनसुनवाई के लिए जानी जाती है। आम जनता के बीच उनकी छवि एक कड़क लेकिन न्यायप्रिय अधिकारी की बनी रही।उनके कार्यकाल की खास बात यह रही कि उन्होंने लगातार जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर अपराध और अपराधियों पर अंकुश बनाए रखा। अमेठी में अपने पिछले कार्यकाल की तरह ही मऊ में भी उन्होंने मजबूत पकड़ बनाए रखी और पुलिसिंग को नई मजबूती दी।अब एटा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के रूप में उनकी तैनाती को लेकर उम्मीद जताई जा रही है कि वे वहां भी अपने अनुभव और सख्त कार्यशैली से कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाएंगे।

एलडीए के कागजी शेर, डालीगंज में कानून रौंद रहे बिल्डर, अधिकारी बजा रहे भ्रष्टाचार का डमरू!

लखनऊ। नवाबों के शहर में अब एक नया अजूबा देखने को मिल रहा है, हवा में उड़ते नोटिस और जमीन पर तनते अवैध महल, मामला लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन-4 का है, जहाँ के अधिकारी सरकार से वेतन तो वफादारी का लेते हैं, लेकिन उनकी असली निष्ठा बिल्डरों के चरणों में नतमस्तक नजर आती है। डालीगंज के चर्च रोड वाले इलाके में अवैध निर्माण की शिकायत क्या हुई, मानो अधिकारियों ने अपनी कलम की स्याही से बिल्डरों के लिए सुरक्षा कवच ही लिख दिया। पूर्व में तैनात अवर अभियंता हेमंत कुमार की रिपोर्ट को देखिए, क्या कलाकारी दिखाई है! कागजों पर निरीक्षण हो गया, धाराएं लग गईं, और चालान की आख्या भी डिजिटल तरीके से न्यायालय भेज दी गई। लेकिन धरातल पर? तो बिल्डर कानून के गाल पर तमाचा जड़ते हुए ईंट पर ईंट चढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार पर बुलडोजर चलाने की बात करते हैं, लेकिन जोन-4 के अधिकारियों ने शायद अपना अलग ही बुलडोजर पाल रखा है, जो केवल गरीबों की झोपड़ियों तक जाता है। बिल्डरों के व्यवसायिक निर्माणों तक थक जाता है। मुख्यमंत्री पोर्टल की शिकायतों का निस्तारण यहाँ जादूगरी के जरिए किया जाता है। शिकायतकर्ता को बताया जाता है कि कार्रवाई हो रही है, जबकि बिल्डर अधिकारियों की जेबों की खनक के दम पर नियमों को अपने पैरों तले रौंद रहा है। हैरत की बात तो यह है कि बिजली विभाग और पुलिस को पत्र भेजने की रस्म भी अदा कर दी जाती है। लेकिन लगता है कि इन अवैध इमारतों की बिजली सीधे अधिकारियों के आशीर्वाद से जल रही है। नियम और कानून शायद केवल उन बेचारों के लिए हैं जिनकी पहुंच साहब के दफ्तर तक नहीं है। यहाँ तो 2025 में नोटिस कटा और 2026 आ गया, लेकिन सीलिंग की कार्रवाई का रास्ता शायद अधिकारी अभी तक गूगल मैप पर ढूंढ रहे हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी एवं सहायक अभियंता और अवर अभियंता ये अधिकारी बड़े भाग्यशाली हैं।

थाना दिबियापुर पुलिस द्वारा 01 नफर वांछित अभियुक्त किया गया गिरफ्तार

औरैया ब्यूरो दिलीप कुमार। निरीक्षक अपराध शेर सिंह मय हमराह थाना दिबियापुर द्वारा 01 नफर वांछित अभियुक्त- भानु प्रताप उर्फ सचिन पुत्र रामप्रकाश निवासी बन्थरा थाना बिधूना जनपद औरैया उम्र करीब 22 वर्ष को सम्बन्धित मु0अ0सं0 130/26 धारा 69 भारतीय न्याय संहिता 2023 थाना दिबियापुर जनपद औरैया को इण्डेन गैस एजेन्सी के पास से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया।

पशुओं को ले कर जा रही पिकअप को गौरक्षा दल के पदाधिकारियो ने दौड़ाकर पकड़ा

➲ बेजुबान गोबंशो के होने की सूचना, जांच पड़ताल के दौरान दो दर्जन भैंस के बच्चे निकले
➲ भूख प्यास से बेहाल पशुओं को पुलिस ने कस्बे के व्यापारी के हवाले किया

विश्व प्रकाश चतुर्वेदी, ब्यूरो चीफ फर्रुखाबाद। जानकारी के अनुसार बुधवार को लगभग 3 बजे के करीब एक पिकअप जिसमें दो दर्जन बेजुबानों को लाद कर शमशाबाद से ढाई घाट की ओर ले जाया जा रहा था इसी दौरान कुछ लोगों ने गौ रक्षा दल के पदाधिकारी को पिकअप में गौवंशो को ले जाये जाने की सूचना दी सूचना के बाद सक्रिय हुए पदाधिकारियो एवं कार्यकर्ताओं के हुजूम ने पीएनबी चौराहे के पास पिकअप को रोकने का प्रयास किया तो चालक पिकअप लेकर भगाने का प्रयास करने लगा मौके पर उपस्थित लोगों ने शक जताते हुए पिकअप का पीछा किया थाने के निकट पिकप रोककर चालक से पूछताछ की गई तो चालक हड़बड़ा गया और बगले झांकने लगा दोनों के मध्य बाद बिवाद होने लगा यहां से भी चालक

ने पिकअप भगाने का प्रयास किया तो लोगों की भीड़ में कुछ लोगों ने पत्थरबाजी करते हुए पिकअप को रोका इस दौरान ईट पत्थर लगने से पिकअप क्षतिग्रस्त हो गई और शीशा टूट गया बताते हैं पिकअप चालक तथा पदाधिकारियो के बीच हाथापाई हो गई कुछ लोगों ने चालक को नीचे उतरने के लिए खींचातानी की हाथापाई देख थाना पुलिस हरकत में आई मौके पर पिकअप चालक को हिरासत में ले लिया उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आरोप था पिकअप चालक लगभग दो दर्जन बेजुबानों को भूसे की तरह लोड कर शाहजहांपुर जा रहा था छोटे से वाहन में दो दर्जन बेजुबानो की हालत गंभीर थी पुलिस ने सभी बेजुबानों को पिकअप से उतरवाकर कस्बे के एक व्यापारी के हवाले कर दिया थाना अध्यक्ष शमशाबाद रमेश सिंह ने बताया पिकअप में भैंस के छोटे छोटे बच्चे थे खान-पान की व्यवस्था हेतु कस्बे के एक व्यापारी को सौंप दिया थाना अध्यक्ष ने यह भी बताया पिकअप चालक के खिलाफ फिलहाल तहरीर नहीं दी गई उन्होंने कहा आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी पुलिस अफसरों ने संभाला मोर्चा

लखनऊ। लखनऊ जिला न्यायालय को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। बुधवार को धमकी भरा ईमेल मिलते ही पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ता (बीडीएस), पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और पूरे परिसर में सघन जांच अभियान चलाया गया। बता दें कि इससे पहले 13 फरवरी को भी एक धमकी भरा मेल आया था। जिला न्यायालय को मिले ईमेल में बम विस्फोट की धमकी दी गई थी, जिसके बाद प्रशासन तत्काल सतर्क हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने पूरे कोर्ट परिसर को सुरक्षा घेरे में लेते हुए जांच शुरू कर दी। घटना की सूचना पर चौक एसीपी राज कुमार सिंह और वजीरगंज इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर कोर्ट परिसर की गहन तलाशी ली। पार्किंग, कोर्ट रूम और आसपास के क्षेत्रों की बारीकी से जांच की गई। इससे पहले भी 13 फरवरी को लखनऊ जिला न्यायालय को इसी तरह का धमकी भरा ईमेल मिला था, जिसके बाद पूरे परिसर को खाली कराकर तलाशी अभियान चलाया गया था। हाल के समय में उत्तर प्रदेश के कई जिलों की अदालतों को भी इस तरह के ईमेल भेजे गए हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अब तक की जांच में कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। हालांकि एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरे परिसर में निगरानी बढ़ा दी गई है। धमकी भरे ईमेल की जांच के लिए साइबर सेल को लगाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मेल के स्रोत और भेजने वाले की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। लगातार मिल रही धमकियों को देखते हुए जिला न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

पूरनपुर ब्लॉक में तैनात सचिव राहुल भारती की करोड़ों की संपत्ति की सीबीआई जांच की मांग

कार्यालय क्षेत्र पंचायत खण्ड विकास अधिकारी पूरनपुर, जनपद-पीलीभीत

पीलीभीत। पूरनपुर ब्लाक की ग्राम पंचायत निधि के दुरुपयोग का एक बड़ा मामला सामने आया हैद्य आरोप है की ग्राम पंचायत अधिकारी राहुल भारती एवं प्रधान पति रामपाल ग्राम पंचायत दयालपुर में कागजी विकास की फैक्ट्री चलाकर लाखों रुपए की लूट कर रहे हैं ग्रामीणों का कहना है ग्राम पंचायत में सफाई कर्मी नहीं आते हैं और वही पंचायत में साफ सफाई के नाम पर लाखों रुपए का फर्जी भुगतान प्रधान और सचिव की मिली भगत से किया जा रहा है यह मामला ग्राम पंचायत में यही तक सीमित नहीं है आपको बता दें पंचायत में बाउंड्री वॉल, स्ट्रीट लाइट मरम्मत, फागिंग, नल रिवर, एवं स्कूल फर्नीचर के संदिग्ध भुगतान ने पूरे खेल की पोल खोल दी है। ग्राम पंचायत दयालपुर में विकास कार्यों की अनदेखी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई वर्षों से नालियों की साफ-सफाई नहीं हुई है, जिससे नालियां चौक हो गई हैं और भयंकर बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। नालियों की साफ-सफाई न होने से बड़े-बुजुर्ग और छोटे बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया इसकी शिकायत प्रधान पति रामपाल से की गई है, लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। सफाई कर्मचारी भी सफाई के लिए नहीं आते हैं, जिससे ग्रामीणों की समस्या जस की तस बनी हुई है ग्रामीणों की मांग है सचिब राहुल भारती की करोड़ों रुपए की संपत्ति की सीबीआई जांच हो।

विदेशी निधियों को लेकर अखिलेश ने भाजपा पर उठाए सवाल, एफसीआरए संशोधन को नियंत्रण की रणनीति बताया

लखनऊ। विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को कथित विदेशी निधियों को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी पर सवाल उठाया और उस पर कानून के माध्यम से गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) को नियंत्रित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक लंबे पोस्ट में यादव ने कहा कि विदेशी निधि पर भाजपा के रुख में गंभीर विरोधाभास था। उन्होंने विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 लाने से पहले स्पष्टता की मांग की। उन्होंने कहा, जो पैसा विदेशों से पीएम केयर्स फंड में आया था वो लौटाया जाएगा या उसको भी ऑडिट की तरह विशेष छूट देकर गटक लिया जाएगा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने इलेक्टोरल बॉण्ड को लेकर भी सवाल उठाए जिन्हें उच्चतम न्यायालय ने पहले ही रद्द कर दिया था। उन्होंने पूछा, जो पैसा इलेक्टोरल बॉण्ड के माध्यम से आया था उसे भाजपा कब लौटाएगी। जब इलेक्टोरल बॉण्ड ही अवैध घोषित हो गये हैं तो उससे मिला पैसा कैसे वैध है। यादव ने पूछा कि जो पैसा गैर पंजीकृत एनजीओ के खातों में आता है उसका क्या होगा। कहीं ये उसी की विदेशी जड़ें काटने की आपसी लड़ाई तो नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, तथाकथित धर्मार्थ उगाहे गये, मंदिर निर्माण के नाम पर बटोरे गए उस चंदे का हिसाब कौन देगा, जो भाजपा से संबद्ध संगी-साथी मुखौटा संगठनों मतलब परिषद, वाहिनी आदि ने हड़प लिए। उसमें भी विदेशों से अथाह पैसा आया था। इनसे जुड़े सभी पदाधिकारियों के खातों और संपत्तियों से वसूली की जाए।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस महाविद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

रंजीत सिंह/लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ में आयोजित की जा रही वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025-26 के तृतीय दिवस का आरंभ प्राचार्य प्रोफेसर रश्मि बिश्नोई द्वारा छात्राओं को क्रीड़ा शपथ ग्रहण के साथ हुआ। आज आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में ऊंची कूद प्रतियोगिता में अधीरा यादव प्रथम, शगुन सिंह द्वितीय, अनन्या यादव तृतीय स्थान पर रही। इसी प्रकार 100 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में अनन्या यादव प्रथम, शीतल यादव द्वितीय, शगुन सिंह तृतीय तथा संतोषी पाल ने सांत्वना पुरस्कार हेतु स्थान प्राप्त किया।

200 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में अनन्या यादव प्रथम, शगुन सिंह द्वितीय, रोहिणी तृतीय तथा अमृता सिंह ने सांत्वना पुरस्कार हेतु स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद प्रतियोगिता में अनन्या यादव प्रथम, शगुन सिंह द्वितीय, सपना तृतीय जबकि दिव्यांशी यादव ने प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु स्थान प्राप्त किया। गोला फेक प्रतियोगिता में दिव्यांशी प्रथम अधीरा यादव द्वितीय, सपना तृतीया तथा पलक ने सांत्वना पुरस्कार हेतु स्थान प्राप्त किया। चक्का फेंक प्रतियोगिता में अधीरा यादव प्रथम, सिमरन द्वितीय, राखी तृतीय तथा पलक चौरसिया ने सांत्वना पुरस्कार हेतु स्थान प्राप्त किया। भाला फेक प्रतियोगिता में दिव्यांशी यादव प्रथम स्थान, रमसा नौशाद द्वितीय तथा मालिनी तृतीय स्थान पर रहे। जबकि 400 मी रिले रेस में अधीरा यादव, जया मिश्रा, रोहिणी व अनन्या यादव की टीम प्रथम स्थान, शगुन सिंह, मुक्ति राजपूत, पलक चौरसिया, सपना की टीम द्वितीय स्थान, तुषा पांडे, मानसी यादव, आरती व मालिनी की टीम तृतीय स्थान पर रही। खो खो प्रतियोगिता में फाइनल राउंड रानी लक्ष्मीबाई टीम वह अवंती बाई टीम के बीच संपन्न हुआ, जिसमें अधीरा यादव के नेतृत्व में विजेता रही। 100 मी रेस में प्राध्यापक वर्ग में डॉ राहुल पटेल प्रथम, डॉक्टर कुणाल दीक्षित द्वितीय, डॉ अरविंद तृतीय स्थान पर जबकि प्राध्यापिका वर्ग में डॉक्टर हेमलता पांडे प्रथम, डॉक्टर श्रद्धा द्विवेदी द्वितीय, डॉक्टर माला पाठक तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर छात्राओ के उत्साह वर्धन हेतु महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी क्रीड़ा स्थल पर उपस्थित रहे।

हाथ जोड़कर डिप्टी सीएम प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सवर्ण मोर्चा ने यूजीसी के नए नियमों के विरोध में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर बुधवार को शंख बजाकर,01 अप्रैल 2026 (यूएनएस)। प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इसे काला कानून बताते हुए नारेबाजी की। शंखध्वनि और नारेबाजी के बीच डिप्टी सीएम हाथ जोडे पहुंचे। प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचते ही वे कमर तक झुकते हुए हाथ जोड़कर अभिवादन करने लगे। जवाब में सबने उसी तरह प्रणाम किया। इसके बाद उन्होंने स्वयं कमरे का दरवाजा खोला और सभी को अंदर ले गए। मोर्चा के पदाधिकारियों ने पूछा कि यूजीसी के नए नियम क्यों लाए जा रहे हैं। इस पर डिप्टी सीएम ने कहा कि वे खुद सामान्य वर्ग से आते हैं और अपने वर्ग के किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आवास के अंदर बैठाकर काफी देर तक बातचीत की, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन समाप्त हो गया। बैठक से बाहर आने पर सवर्ण मोर्चा के संयोजक संदीप सिंह, प्रवक्ता पंडित अभिनव नाथ त्रिपाठी और बसंत सिंह बघेल ने बताया कि 50 से अधिक लोगों ने डिप्टी सीएम से मुलाकात की है। मोर्चा में बीजेपी और सरकार में शामिल लोग भी हैं। हम लोग यूजीसी को लेकर लगातार सवाल कर रहे हैं। इसी मुद्दे को लेकर डिप्टी सीएम से भी बातचीत की है। इस कानून को बीजेपी लेकर आई है। कोर्ट ने भले ही इस पर रोक लगा दी है लेकिन सवाल यह उठता है कि इस तरह के काले कानून को लाने की जरूरत क्यों पड़ी? हमने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि यह काला कानून किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। संयोजक संदीप सिंह ने कहा कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों में सवर्ण समाज को मिटाने के लिए कुचक्र रचा जा रहा है।

संपादकीय

जहरीले वैवाहिक रिश्ते, आखिर क्या है हल?

आजकल पति-पत्नी के रिश्ते में तनाव वैवाहिक जिंदगी को जहरीला बना रहा है यह भारतीय परिवारों के टूटने का एक बड़ा कारण बन गया है। ऐसा क्यों हो रहा है? आधुनिक समय में पुरुषों और महिलाओं की भूमिकाएं बदल रही हैं। अतीत में परंपरागत रूप से पति को परिवार का आर्थिक सहारा और पत्नी को घर का प्रबंधन करने की जिम्मेदारी दी जाती थी। आज, दोनों पक्ष समान रूप से काम और परिवार की जिम्मेदारियों को सांझा करते हैं, जिससे अपेक्षाओं में असंतुलन पैदा हो सकता है। पति-पत्नी के बीच संवाद की कमी एक बड़ा कारण है। यदि दोनों पक्ष अपनी भावनाओं, चिंताओं और अपेक्षाओं को खुलकर नहीं बताते, तो गलतफहमियां बढ़ती हैं। इससे रिश्ते में दूरी बढ़ सकती है और तनाव पैदा हो सकता है। वैवाहिक रिश्तों की नींव विश्वास पर टिकी होती है। यदि दोनों में से किसी एक या दोनों को एक-दूसरे के प्रति शक या अविश्वास महसूस होने लगे, तो यह रिश्ते को खतरनाक बना सकता है। ऐसे मामलों में घर, जो एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए, वही तनावपूर्ण और घातक बन जाता है। जब दोनों पक्ष अपनी जिम्मेदारियों को सांझा नहीं करते या एक-दूसरे के प्रति अन्यायपूर्ण व्यवहार करते हैं, तो यह रिश्ते में झगड़ों का कारण बन सकता है। उदाहरण के लिए, यदि पति परिवार के लिए पैसा कमाने में व्यस्त रहता है और पत्नी को घर का सारा काम संभालना पड़ता है, तो यह असंतोष का कारण बन सकता है। जब पति या पत्नी में से कोई भी हर स्थिति में 'सही' होने का वहम रखता है, तो यह रिश्ते को नुकसान पहुंचा सकता है। एक स्वस्थ रिश्ते में दोनों पक्ष एक-दूसरे की गलतियों को स्वीकार करने और सुधार करने के लिए तैयार होते हैं लेकिन जब कोई भी खुद को हमेशा सही मानने लगे, तो यह रिश्ते को खतरनाक बना देता है। आज की तेजी से बदलती जीवनशैली और काम के दबाव के कारण पति-पत्नी के बीच समय बिताने का अवसर कम होता जा रहा है। इससे दोनों पक्षों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ सकती है, जो रिश्ते को कमजोर कर सकती है। कई बार, पति-पत्नी के बीच रिश्ते परिवार या समाज के दबाव के कारण तनावपूर्ण हो जाते हैं। जैसे, सास-बहू के बीच झगड़े, बच्चों की पढ़ाई या शादी जैसे मुद्दे भी रिश्ते को प्रभावित कर सकते हैं। वर्तमान में घरेलू हिंसा के मामले भी बढ़ रहे हैं। यह न केवल पति-पत्नी के रिश्ते को खतरनाक बनाता है, बल्कि जानलेवा भी हो सकता है। आंकड़ों के अनुसार, हर 11वें मिनट में एक महिला का कत्ल हो जाता है, जो इस बात का सबूत है कि घरेलू रिश्ते कितने खतरनाक हो सकते हैं। शादीशुदा जिंदगी में तकरार और गलतफहमियां आम बात हैं, लेकिन जब बात बार-बार तानों और आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाली बातों तक पहुंच जाए, तो स्थिति गंभीर हो जाती है। एक व्यक्ति ने सवाल किया कि उसकी पत्नी अक्सर कहती है कि वह किसी लायक नहीं है और उससे शादी करके उनकी जिंदगी बर्बाद हो गई। ऐसे में वह क्या करे, ताकि रिश्ता बेहतर हो सके?

'लाल आतंकवाद' से मुक्ति!

भारत लगभग नक्सल-मुक्त हो गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में यह दावानुमा घोषणा की। नक्सल-मुक्त स्थिति के लिए 31 मार्च, 2026 आखिरी तारीख तय की गई थी, लेकिन संसद में नक्सलवाद पर बहस हुई, जिसके जवाब में गृहमंत्री ने घोषणा की और नक्सलवाद के विस्तार की स्थितियों और कारकों का भी खुलासा किया। गृहमंत्री ने उल्लास और उत्साह में यह भी घोषणा की कि देश में 'लाल कॉरिडोर' का खात्मा कर दिया गया है। जो 2-4 नक्सली नेता फरार हैं, वे या तो आत्मसमर्पण कर देंगे अथवा उन्हें ढेर कर दिया जाएगा। विपक्ष इन्हें भी अन्यायपूर्ण हत्याएं करार दे रहा है। आश्चर्य हैज्! बहरहाल अब 'नक्सलवाद' शब्द इतिहास में दर्ज होकर रह जाएगा। देश से 'वामपंथी, माओवादी आतंकवाद' के खात्मे में करीब 59 लंबे साल लग गए। सरकार ने 706 माह का वक्त माना है। जो आंदोलन वामपंथी नेता चारु मजूमदार और कानू सान्याल के नेतृत्व में 1967 में पश्चिम बंगाल से शुरू किया गया था, वह वैचारिक कम और हथियारबंद, हिंसक अधिक था। बेशक आंदोलन को किसान, मजदूर, भूमिहीन, आदिवासी की लड़ाई का आवरण दिया गया। आर्थिक असमानता, शोषण, अन्याय, पूंजीवाद, भूमि का असमान वितरण या भूमिहीनता, सर्वहारा, बुर्जुआ आदि शब्दों को नारों के तौर पर इस्तेमाल किया गया, लेकिन 2026 तक भी वे नारे खोखले, आडंबर साबित हुए, क्योंकि असमान स्थितियां आज भी देश में हैं। नक्सली देश की संसदीय व्यवस्था के खिलाफ थे और देश में 'सशस्त्र क्रांति' लाने के पक्षधर थे। जो आंदोलन या उग्रवाद देश के करीब 150 जिलों तक फैला था और जिसे 'रेड कॉरिडोर' नामकरण दिया गया था, वाकई वे इलाके रक्त-रंजित थे। नक्सलियों ने समानता और न्याय की अपनी सोच गढ़ते हुए 7532 मासूम, बेगुनाह लोगों को मारा। करीब 5000 सुरक्षा-जांबाजों को 'शहीद' किया। देश के करीब 17 फीसदी हिस्से पर जिनका 'रेड कॉरिडोर' था, देश की 12 करोड़ से अधिक आबादी 'लाल उग्रवाद' से प्रभावित और दमित थी, वह कैसा सामाजिक आंदोलन था? जिन्होंने करीब 20,000 युवाओं की हत्या की। क्यों कीज्? करीब 92 फीसदी अत्याधुनिक हथियार पुलिस और सुरक्षा बलों से छीन लिए, यह समानता और गरीबी-उन्मूलन का कैसा आंदोलन था? 'लाल आतंकवाद' के खिलाफ लड़ाई और उसे खत्म करने की मुहिम पर सरकार को 2000 करोड़ रुपए सालाना खर्च करने पड़ रहे थे।

दैनिक उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से प्रकाशित
लखनऊ सुपरफास्ट खबरें — सबसे तेज, सबसे पहले

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, कथाएं, आर्टिकल या अपने शहर से जुड़ी कोई भी समस्या या विशेष कवरेज। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करने का प्रयास करेंगे।

हेड ऑफिस
शॉप नंबर- 04 दयाल मार्केट, हिमसिटी,
कंचनपुर-मटियारी देवा रोड, चिनहट, लखनऊ
सम्पर्क सूत्र–7080480403

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक शिव प्रकाश तिवारी द्वारा लक्ष्मी ऑफसेट, देवपुरी भवन संजय गांधी मार्ग लखनऊ उत्तर प्रदेश से छपवाकर, शॉप नं०–४ दयाल मर्किट, हिमसिटी कंचन पुर मटियारी देवा रोड चिनहट लखनऊ से प्रकाशित किया।

सम्पादक
शिव प्रकाश तिवारी
सम्पर्क सूत्र–7080480403
प्रधान सम्पादक

ब्रांच ऑफिस– निकट काशीराम कॉलोनी लौलाई, चिनहट, लखनऊ
मो. 6306589368

नक्सलवाद का अंत,रेडकॉरिडोर का सपना चकनाचूर-क्या अब भ्रष्टाचार व नशा मुक्ति के अंत की अगली ऐतिहासिक डेडलाइन का समय आ गया है? -भारतीय जनता के हर वर्ग की अपेक्षा -समग्र विश्लेषण

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत के समकालीन राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। दशकों तक देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहे नक्सलवाद के लगभग अंत की घोषणा के साथ अब राष्ट्रीय एजेंडा एक नए लक्ष्य की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है,भ्रष्टाचार मुक्त भारत। यह केवल एक नारा या राजनीतिक संकल्प नहीं, बल्कि शासन- प्रणाली, विकास मॉडल और लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की परीक्षा है। जिस प्रकार नक्सल मुक्त भारत के लिए एक निश्चित समय-सीमा निर्धारित कर व्यापक रणनीति के साथ कार्य किया गया,उसी प्रकार अब यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक ठोस डेडलाइन तय की जानी चाहिए?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि,अब भारतीय नक्सलवाद क़ा अध्याय लगभग समाप्ति की ओर है,तो स्वाभाविक रूप से ध्यान देश की दूसरी बड़ी समस्या भ्रष्टाचार की ओर जा रहा है।भ्रष्टाचार जो न केवल आर्थिक संसाधनों की बर्बादी करता है,बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है,आज विकास की राह में सबसे बड़ा अवरोध बन चुका है। सरकारी योजनाओं का लाभ अक्सर अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता, क्योंकि बीच में बिचौलियों और भ्रष्ट अधिकारियों का

एक जाल सक्रिय रहता है। ऐसे में यह विचार तेजी से उभर रहा है कि जैसे नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई, वैसे ही भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक सख्त और समयबद्ध रणनीति बनाई जानी चाहिए।सरकारी पैसा सीधे जनता की जेब में यह विचार केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक सुधार का एक महत्वपूर्णसिद्धांत है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे लाखों लोगों को बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभ मिला है। लेकिन इसके बावजूद भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।फाइलों को जानबूझकर अटकाना, रिश्वत की मांग करना और जांच प्रक्रियाओं को लंबित रखना सबसे बड़ी बात ऊपरी लेवल तक ठेको सहित अन्य करों में 40-50 परसेंट का लेनदेन आज भी आम समस्याएं हैं। इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए स्पष्ट समय- सीमा तय की जाए और

उसमें देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और दंड तक सीमित नहीं हो सकती इसको समझने की करें तो, इसके लिए एक व्यापक संस्थागत ढांचे की आवश्यकता है,जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नागरिक भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए। शिकायतकर्ताओं को सुरक्षा और त्वरित न्याय का भरोसा देना भी इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अक्सर देखा गया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को ही प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है, जिससे अन्य लोग आगे आने से डरते हैं। यदि इस भय को समाप्त नहीं किया गया, तो भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई भी अभियान अधूरा रहेगा।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जाए तो जिन देशों ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण पाया है,उन्होंने सख्त कानूनों के साथ- साथ तकनीकी नवाचार और संस्थागत सुधारों को अपनाया है।सिंगापुर और स्कैंडिनेवियाई देशों के उदाहरण इस संदर्भ में उल्लेखनीय हैं, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही को शासन की आधारशिला बनाया गया है। भारत में भी डिजिटल इंडिया, आधार और ई-गवर्नेंस जैसी पहलें इस दिशा में सकारात्मक कदम हैं, लेकिन इनका पूर्ण लाभ तभी मिलेगा जब इन्हें एक व्यापक रणनीति के तहत लागू किया जाए।यह भी महत्वपूर्ण है कि भ्रष्टाचार को केवल एक प्रशासनिक समस्या के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे एक सामाजिक और सांस्कृतिक चुनौती के रूप में भी समझा जाए। जब तक समाज में जुगाड़ और काम निकालने की मानसिकता बनी रहेगी, तब तक भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता। इसके लिए शिक्षा, जागरूकता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।जनता की अपेक्षाएं भी अब बदल रही हैं। लोग केवल घोषणाओं से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि वे परिणाम देखना चाहते हैं। नक्सलवाद

के खिलाफ सफलता ने यह विश्वास पैदा किया है कि यदि सरकार ठान ले, तो बड़ी से बड़ी चुनौती का समाधान संभव है। यही विश्वास अब भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में भी दिखाई दे रहा है। साथियों बात अगर हम नक्सलवाद समाप्ति टारगेट 31 मार्च 2026 की करें तो भारत में नक्सलवाद का इतिहास 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से शुरू हुआ, जब एक छोटे किसान आंदोलन ने हिंसक विद्रोह का रूप ले लिया। प्रारंभ में यह आंदोलन सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के खिलाफ आवाज उठाने का माध्यम था, लेकिन समय के साथ यह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन गया। करीब छह दशकों तक चले इस संघर्ष में हजारों लोगों की जान गई, जिनमें सुरक्षा बलों के जवान और आम नागरिक दोनों शामिल थे। लेकिन 2024 में एक निर्णायक मोड़ आया, जब देश के गृह मंत्री ने नक्सलवाद के अंत के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की। इसके बाद सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों ने रेड कॉरिडोर के विस्तार को तेजी से सीमित कर दिया। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाए गए, नक्सली नेतृत्व को कमजोर किया गया और हजारों कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। बस्तर जैसे क्षेत्र, जो कभी नक्सल गतिविधियों के गढ़ माने जाते थे, वहां अब स्कूल, सड़कें और राशन की दुकानें खुलने लगी हैं। यह परिवर्तन केवल सुरक्षा की दृष्टि से नहीं, बल्किसामाजिक और आर्थिक विकास के संकेत के रूप में भी महत्वपूर्ण है।हालांकि, इस उपलब्धि पर राजनीतिक मतभेद भी सामने आए हैं। जहां एक ओर सरकार इसे ऐतिहासिक सफलता के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं विपक्ष ने इस दावे पर सवाल उठाए हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा इस मुद्दे पर बहस की चुनौती यह दर्शाती है कि नक्सलवाद का पूर्ण अंत अभी भी एक बहस का विषय है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि नक्सलवाद का प्रभाव पहले की तुलना में काफी कम हुआ है और देश ने इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। साथियों बात अगर हम नक्सलवाद और भ्रष्टाचार के बीच एक महत्वपूर्ण समानता को समझने की करें तो वह यह है कि दोनों ही विकास और सुशासन के लिए बाधक हैं।

पश्चिम एशिया में युद्ध के दुष्प्रभाव से निपटने के लिए बेहतर नीतियों की जरूरत

डॉ. ज्ञान पाठक

वित्त वर्ष 2026–27 की ठीक शुरुआत में, जो 1 अप्रैल, 2026 से शुरू हो रहा है, भारत को कई तरह के जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह यह है कि भारत एक बड़ा ऊर्जा आयातक देश है और पश्चिम एशिया क्षेत्र के साथ उसके मजबूत व्यापार, निवेश और रेमिटेंस (विदेशों से आने वाले पैसे) के संबंध हैं। पश्चिम एशिया क्षेत्र फ़रवरी 2026 में अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किए गए युद्ध के बाद से एक युद्ध क्षेत्र में बदल गया है। भारत का 2026–27 का बजट संसद में बहुत पहले, 1 फ़रवरी को ही पेश कर दिया गया था, जो अब बेमानी हो गया है। अब बदलती स्थिति को देखते हुए, भारत के लोगों को बचाने के लिए सोच–समझकर बनाई गई नीतियों की जरूरत है।

एक अनुमान के अनुसार, मार्च की शुरुआत में रुपये के गिरकर 93 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच जाने से, 2022 की शुरुआत की तुलना में देश की 18.7 प्रतिशत आबादी पहले ही गरीबी में धकेली जा चुकी है, और यह गिरावट अभी भी जारी है। 30 मार्च को, यह 94.78 रुपये प्रति डॉलर था। मार्च 2026 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि आर्थिक परिदृश्य और भी ज्यादा अनिश्चित हो गया है, जिससे ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स के मुख्य चौनल बाधित हुए हैं और वैश्विक आपूर्ति की स्थिति और भी कड़ी हो गई है। मार्च 2026 की समीक्षा में फ़रवरी तक के कई आंकड़ों को आधार बनाया गया है, और इसलिए समीक्षा में खुद यह माना गया है कि यह संघर्ष के लगातार बदलते असर को पूरी तरह से शायद न दिखा पाए। हालांकि, मार्च के हालिया आंकड़े यह दिखाते हैं कि हाल के झटकों का असर बढ़ती इनपुट लागत, आपूर्ति में रुकावटों और सभी क्षेत्रों में बढ़ते दबाव के रूप में सामने आ रहा है। महंगाई के मोर्चे पर, फ़रवरी 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.21 प्रतिशत के 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जिसकी मुख्य वजह खाने–पीने की चीजों की कीमतों में आई तेज उछाल थी। आगे चलकर महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता एक आम बात बन गई है। इस बदलाव के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें टैरिफ और अन्य पाबंदियां, साथ ही भू–राजनीतिक उथल–पुथल के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली चुनौतियां शामिल हैं। चालू खाता घाटा पहले से ही बढ़ रहा है। शुद्ध एफ़डीआई का स्तर कम ही बना रहा और लगातार पांच महीनों तक ॠणात्मक रहा। मार्च 2026 में पोर्टफ़ोलियो प्रवाह नकारात्मक बना रहा। जनवरी 2026 तक वैश्विक भूराजनीतिक जोखिम सूचकांक पहले ही एक नए उच्च स्तर पर पहुंच चुका था, और पश्चिम एशिया के संघर्ष ने स्थिति को और खराब कर दिया है। औसत कमोडिटी की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। समीक्षा में कहा गया है कि मूल समस्या एक साथ पड़ने वाला दोहरा दबाव है – न तो कच्चा तेल आ रहा है, और न ही तैयार उत्पाद बाहर जा पा रहे हैं। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में कटौती करनी पड़ेगी, क्योंकि भंडारण (बंकरिंग) सुविधाएं पूरी तरह भर चुकी हैं और टैंकरों के फ़ंसे होने के कारण उन्हें खाली नहीं किया जा सका है। तैयार उत्पादों के भंडारण की क्षमता आमतौर पर एक महीने की आवश्यकता से अधिक नहीं होती है। इसलिए, यदि रिफ़ाइनरियों को बंद कर दिया जाता है, तो संघर्ष समाप्त होने के बाद भी सामान्य तेल उत्पादन फ़िर से शुरू करने में काफ़ी समय लगेगा। कुल मिलाकर, इन क्रमिक प्रभावों से वैश्विक आर्थिक गतिविधियों पर दबाव पड़ने और मुद्रास्फ़ीति के दबाव के और बढ़ने की उम्मीद है, जिससे आर्थिक विकास के जोखिम नीचे की ओर झुकते दिख रहे हैं। एलपीजी के लिए सीमित विकल्प उपलब्ध हैं, क्योंकि भारत अपनी 93 प्रतिशत एलपीजी संघर्ष–प्रभावित क्षेत्र से ही आयात करता है, और इसकी रिफ़ाइनरियों से इसका उत्पादन भी काफ़ी कम है, जो कुल उपलब्धता का मात्र 4–6 प्रतिशत ही है। कमी और कीमतों में बढ़ोतरी के कारण इसका असर फ़र्टिलाइजर (गैस–आधारित यूरिया, पेट्रोकेमिकल्स और गैस–आधारित बिजली उत्पादन) पर पड़ रहा है। भारत की खेती पर इसका असर पड़ेगा क्योंकि 80 प्रतिशत से ज्यादा अमोनिया और सल्फ़र का आयात खाड़ी देशों से होता है, जबकि लगभग 40 प्रतिशत डीएपी का आयात सऊदी अरब से किया जाता है। अगर यह स्थिति नहीं सुधरती है, तो रबी की फ़सल के लिए जोखिम बना रहेगा, जबकि खरीफकी फ़सलों के दौरान अधिक दिक्कत नहीं होगी। फ़िर भी लागत बढ़ने का जोखिम रहेगा। इनपुट लागत में बढ़ोतरी और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी रुकावटों का असर देश के खेती–बाड़ी के कामों पर पड़ेगा। कई क्षेत्रों में, खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों और कांच या सेरामिक जैसे लगातार चलने वाले उद्योगों में, ईंधन या इनपुट बदलने में असमर्थता के कारण उत्पादन में कटौती और अस्थायी तौर पर काम बंद करना पड़ा है। शिपिंग में रुकावटें, रास्ते बदलना और युद्ध के जोखिम वाले प्रीमियम के कारण माल ढुलाई और बीमा की लागत में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है। परिवहन में देरी के कारण डिलीवरी का समय बढ़ गया है, जिससे जरूरी इनपुट के आयात और निर्यात की प्रतिबद्धताओं, दोनों पर असर पड़ा है। हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियों ने कीमती और समय के लिहाज से संवेदनशील माल की ढुलाई की चुनौतियों को और भी बढ़ा दिया है। विदेश से आने वाले पैसे (रेमिटेंस) पर भी इसका काफ़ी असर पड़ेगा। और राजकोषीय मोर्चे पर, ज्यादा सब्सिडी की जरूरत (फ़र्टिलाइजर और ईंधन के लिए) और संभावित राजस्व की कमी के कारण राजकोषीय घाटा बढ़ सकता है। अकेले मार्च महीने में ही, पोर्टफ़ोलियो निवेश के मोर्चे पर लगभग 12.5 अरब अमेरिकी डॉलर का बहिर्प्रवाह हुआ है।

मेष:– कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन में नई–नई युक्तियां उत्पन्न होंगी। कुछ नई सफ़लताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाओं के फ़लीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा।

बृषभ:– नैतिक–अनैतिक आदि के बारे में सोचने वाला मन भौतिक परिवेश के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होगा। नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। आलस्य कतई न करें।

मिथुन:– दूसरों की सफ़लता से अपने अंदर हीनता न आने दें। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का योग है। पारिवारिक संबंधों में कटुता जैसी स्थिति उत्पन्न न होने दें।

कर्क:– रोजगार में कुछ आकस्मिक सफ़लता का योग है। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफ़लताएं मिलेंगी।

सिंह:– रोजगार क्षेत्र में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। असीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। घर में खुशहाली रहेगी।

कन्या:– आपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी। आप धैर्य से समय का इंतजार करें। दूसरों की आलोचना का असर अपने मनोबल पर न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

तुला:– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कल्पनाओं में जीना छोड़ वर्तमान में जियें।

वृश्चिक:– बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने का प्रयास करें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कल्पनाएं सार्थकता हेतु उद्वेलित करेंगी।

धनु:– दूसरों की बात इधर से उधर करना आपका शोभा नहीं देता है। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकर:– प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाएंगे। किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याएं आएंगी।

कुंभ:– राजनीतिक सरगर्मियों से व्यस्तता बढ़ेंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिंतित होगा।

मीन:– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी।

देश यूं ही नहीं हुआ नक्सलवाद से मुक्त

अवधेश कुमार

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में घोषणा की कि लाल आतंक की परछाई हट गई है। यह ऐसी घोषणा है जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी। जब गृह मंत्री ने पिछले वर्ष घोषित किया था कि 31 मार्च, 2026 तक देश नक्सली आतंक से मुक्त हो जाएगा तो एक्टिविस्टों, पत्रकारों, नेताओं, एन.जी.ओ. चलाने वालों, बुद्धिजीवियों आदि की बड़ी फ़ौज ने अलग–अलग तरीकों से उनका निशाना बनाना, उपहास उड़ाना और प्रच्छन्न तरीके से विरोध आरंभ कर दिया था। गृह मंत्री ने घोषणा की कि 2024 तक नक्सलियों की शीर्ष केंद्रीय कमेटी और पुलिस ब्यूरो में 21 मुख्य कैडर थे जो पूरे नैटवर्क को चलाते थे। इनमें से एक पकड़ा गया, 7 ने आत्मसमर्पण किया और 12 मारे गए तथा एक फ़रार है। उसके साथ भी आत्मसमर्पण के लिए बातचीत चल रही है। वस्तुतरू वह मिसिर बेसरा है जो झारखंड के सारंडा जंगलों में अपने 50 साथियों के साथ छिपा है। वह आत्मसमर्पण करता है या मारा जाता है, तो हथियारों के बल पर संघर्ष करने वालों की सूची समाप्त हो जाएगी। जरा सोचिए, 2014 में जो नक्सल प्रभावित जिले 126 थे, वे अब घटकर मात्र 2 रह गए हैं। वे भी केवल नाम मात्र के। रैड कॉरिडोर या लाल गलियारा के नाम से पहचाने जाने वाले पूरे क्षेत्र में 12 राज्य और 70 प्रतिशत भूभाग शामिल था। आप यू.पी.ए. शासनकाल को याद करिए, जब भी आंतरिक सुरक्षा का सम्मेलन होता था, राज्यों के पुलिस प्रमुखों, गृह सचिवों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के भाषण में यह पंक्ति रहती ही थी कि आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा माओवाद है। पिछले लगभग 12 वर्ष की नक्सलवाद या माओवाद विरुद्ध मोदी सरकार की नीति का मूल्यांकन करेंगे तो एक निष्कर्ष यह आएगा कि राजनीतिक नेतृत्व के अंदर समस्याओं को लेकर संवेदनशीलता व सही समझ हो, उसके अंत करने के उपाय के प्रति दृष्टि साफ और संकल्पबद्धता हो तो परिणाम ऐसा आ सकता है। इस सुखद स्थिति के पीछे कई स्तरीय रणनीति थी। सख्त सुरक्षा कार्रवाई, माओवादियों से संपर्क कर उन्हें आत्मसमर्पण और सामान्य जीवन में आने के लिए प्रेरित करने का सतत अभियान, उनका आर्थिक ढांचा तोडना, क्षेत्र की विकास गतिविधियों के साथ स्थानीय लोगों से संपर्क एवं उनके अंदर सुरक्षा मिलने का आश्वासन पैदा करना। सुरक्षा एजैंसियों ने आतंकवाद बन चुके बड़े नक्सली नामों को संघर्ष में समाप्त किया। सुरक्षा कार्रवाइयों के दबाव में हजारों का आत्मसमर्पण हुआ। आर्थिक कमर तोडने के लिए राष्ट्रीय जांच एजैंसी (एन.आई.ए.) और प्रवर्तन निदेशालय को दायित्व दिया गया, जिससे नक्सलियों से अवैध करोड़ों रुपए जब्त किए गए। धन शोधन निवारण अधिनियम (पी.एम.एल.ए.) के तहत मामले दर्ज हुए और नक्सलियों को धन देने वालों को गिरफ्तार किया गया। इसके समानांतर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास के लिए बजट आबंटन में 300 प्रतिशत की वृद्धि की गई। प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल नैटवर्क लगे, सड़कें बनीं, राशन की दुकानें खुलीं, स्कूल चलाने की कोशिश हुई, स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गईं, बैंक, ए.टी.एम. और डाकघर खोले गए। रोजगार प्रशिक्षण के लिए आई.टी.आई. और कौशल केंद्र बनाए गए। सुरक्षा बलों के साए में सांस्कृतिक–धार्मिक–सामाजिक गतिविधियों में लोगों को शामिल करने की कोशिश हुई और उनके अंदर का भय मिटता गया तथा उनका भी सहयोग मिलने लगा। आत्मसमर्पण नीति लागू की गई, जिसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया। सरकार ने हर गांव तक पहुंच बनाई। क्रूरता, निर्दयता और दमन करने के आरोप लगाने वालों के सामने गृह मंत्री ने लोकसभा में आंकड़ा देते हुए कहा कि सन् 2024 से अब तक 706 नक्सली मारे गए जबकि उनकी तुलना में 2218 गिरफ्तार किए गए तथा 4849 ने आत्मसमर्पण किया। बात सीधी है और जैसा गृह मंत्री ने कहा कि मैं 50 बार कह चुका हूं कि हथियार डाल दो सरकार पुनर्वास की व्यवस्था करेगी। हथियार नहीं डाले तो जो गोली चलाएगा उसका जवाब गोली से मिलेगा यही सरकार की नीति है। ईमानदारी से विश्लेषण करेंगे तो निष्कर्ष यही आएगा कि गरीबी के कारण नक्सलवाद या माओवाद नहीं बढ़ा बल्कि लोगों को भड़का कर बरगला कर हथियार थमाए गए। उन्होंने अस्पताल, स्कूल जला दिए, सड़कें तोड़ दीं, खदान बंद कराए, जंगलों में मछली पालन से लेकर अन्य काम बंद हो गए, लोगों का बाहर जाना बंद कर दिया तो उनके सामने गरीबी और तंगहाली में आंसू बहाकर जीने के अलावा कोई चारा नहीं बचा। करीब 30 हजार लोगों की जान चली गई, जिनमें 5000 सुरक्षा कर्मी भी शामिल थे। 1967 में बंगाल के नक्सलबाड़ी से आरंभ आंदोलन आखिर इतना भयानक कैसे हो गया कि सरकार की पहुंच उन क्षेत्रों में समाप्त हो गई? सरकार की नीतियां सही होतीं तो तिरुपति से पशुपतिनाथ तक इतना बड़ा रैड कॉरिडोर कैसे बन सकता था? अगर सत्ता का समर्थन था ही नहीं तो 5 जुलाई, 2011 को नंदिनी सुंदर और अन्य लोगों द्वारा दायर एक याचिका के बाद उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी की अध्यक्षता वाली पीठ ने सलवा जुडूम के बारे में फैसला देते हुए कहा कि माओवादियों के विरुद्ध लड़ाई गैर कानूनी थी। परिणाम यह निकला कि माओवादियों ने सलवा जुडूम से जुड़े लोगों की हत्या कर दी और कांग्रेस ने सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाया। इसका मतलब क्या हुआ? यह बात तो सत्य है कि राहुल गांधी ने 2018 में हैदराबाद में माओवादी घुमांडी विठ्ठल राव से मुलाकात की। 2025 में कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफपीस के साथ मुलाकात की। हिडमा जब मारा गया, तब इंडिया गेट पर 'कितने हिडमा मारोगे, हर घर से हिडमा निकलेगा' के नारे लगे जिसका वीडियो राहुल गांधी ने पोस्ट किया। बहरहाल, गृह मंत्री की इस घोषणा को आश्वासन माना जाना चाहिए कि सरकार मुद्दों के प्रति संवेदनशील है, वह सभी शिकायतें सुनने के लिए तैयार और हल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रियलिटी शो 'द 50' से बाहर हुईं दिव्या अग्रवाल

रियलिटी शो 'द 50' से हाल ही में बाहर हुईं एक्ट्रेस और रियलिटी स्टार दिव्या अग्रवाल एक बार फिर चर्चा में हैं। शो के दौरान उनके गेम, रिश्तों और कुछ कंटेस्टेंट्स के साथ हुई तकरार को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा रही। खासकर कंटेस्टेंट भव्या सिंह के साथ उनकी बहस और भव्या द्वारा उन्हें 'गोल्ड डिगर' कहे जाने को लेकर भी मामला सुर्खियों में रहा। शो से बाहर आने के बाद दिव्या ने अपने अनुभव, कंटेस्टेंट्स की रणनीति और आगे के करियर प्लान पर खुलकर बात की। दैनिक भास्कर से बातचीत में दिव्या अग्रवाल ने भव्या के आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी और अपने तलाक को लेकर चल रही अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। 'द 50' से बाहर होने के बाद आपके फैंस थोड़े निराश नजर आए, क्या आपको भी इस शो से जल्दी बाहर होने का कोई अफसोस या रिग्रेट है? अफसोस जैसा कुछ नहीं है। मुझे लगता है कि हर चीज का एक्सपीरियंस जरूरी होता है। फ्रेंडशिप, स्ट्रेटेजी और इस सोशल मीडिया की पावरफुल दुनिया में रहकर बहुत कुछ सीखने को मिलता है। लेकिन सच कहूं तो इस फॉर्मेट में मुझे उतना मजा नहीं आ रहा था। मेरा मन नहीं लग रहा था। हम न खुलकर झगड़ पा रहे थे, न खुलकर बातें कर पा रहे थे। शो में एक तरह का 'परिवार वाला' माहौल चल रहा था और शायद मैं उस स्पेस में फिट नहीं हो पा रही थी। आपने पहले भी बड़े रियलिटी शोज जीते हैं, ऐसे में क्या इस बार भी ट्रॉफी जीतने की उम्मीद या प्रेशर महसूस कर रही थीं? सच कहूं तो मैंने इस शो में उतनी मेहनत ही नहीं की। जब आपका दिल ही नहीं लग रहा होता तो आप ट्रॉफी के हकदार भी नहीं होते। मैंने अपनी जिंदगी में जितनी भी ट्रॉफियां जीती हैं, वो दिल से और बहुत नैचुरली जीती हैं। यहां वो फीलिंग ही नहीं आ रही थी, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मुझे इसकी जरूरत थी। शो में लगातार अलायंस बनते और टूटते दिखाई दे रहे हैं, ऐसे में आपको क्या लगता है कि आखिर में कौन सा कंटेस्टेंट ट्रॉफी तक पहुंच सकता है? अब तो इतना ज्यादा अलायंस बन चुका है कि शायद पूरा अलायंस ही एक फैनडम की तरह काम करेगा। इसलिए किसी एक को चुनना बहुत मुश्किल है। इस शो में कभी भी कुछ भी हो सकता है। कोई भी जीत सकता है, कोई भी आगे जा सकता है और कोई भी अचानक बाहर हो सकता है। मेरे से पहले भी बहुत अच्छे खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं, इसलिए यह गेम काफी अनप्रेडिक्टेबल है। शो में प्रिंस को लेकर यह भी आरोप लगाए गए कि कुछ कंटेस्टेंट्स ने पहले से मिलकर एक कॉन्फ्रेंस की थी और अलायंस बनाकर शो में एंट्री ली थी, क्या आपने भी ऐसा कुछ सुना था? हां, मैंने भी ऐसी बातें सुनी थीं। मुझे भी उस कॉन्फ्रेंस का ऑफर आया था, लेकिन मैं उसमें शामिल नहीं हुई। अगर कुछ लोगों ने पहले से प्लानिंग की थी तो वह उनकी अपनी गलती है। इसमें शो या चौनल की कोई गलती नहीं है। इस शो के दौरान क्या आपको कुछ नए रिश्ते मिले या कुछ पुराने रिश्तों में दूरी भी आई? कुछ रिश्ते बने और कुछ बने हुए रिश्ते बिगड़ गए। लेकिन कई बार ऐसा भी लगता है कि जो रिश्ते टूटे, शायद वो पहले से ही असली नहीं थे। इंडस्ट्री में अक्सर लोग सिर्फ हेलो-हाय तक ही सीमित रहते हैं। भव्या के साथ आपका विवाद काफी चर्चा में रहा, क्या आगे चलकर उनसे बात करने या रिश्ते सुधारने की कोई संभावना है? मैंने पहले कभी उसके बारे में कुछ नहीं कहा था और अभी भी बहुत ज्यादा बोलना नहीं चाहती। लेकिन अगर किसी को मुझसे इतनी परेशानी है तो फिर मेरे पॉडकास्ट को अपने चौनल पर क्यों रखा है? मैं चाहती तो उसे कह सकती थी कि उसे हटा दे, लेकिन अगर उससे उसका घर चलता है तो ठीक है। लाइफ सबको सिखा देती है। शो के दौरान आपके और आपके पति के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें भी फैलती रहीं, उस पर आप क्या कहना चाहेंगी? यही सबसे गलत चीज है कि लोगों को भरोसा दिलाने के लिए हमें अपनी निजी जिंदगी को सोशल मीडिया पर दिखाना पड़ता है। मेरी जिंदगी सोशल मीडिया से डिफाइन नहीं होती। हमारी पीआर टीम ने मेरे पति से कहा था कि एक फोटो पोस्ट कर दो ताकि डिवोर्स की अफवाहें बंद हो जाएं। लेकिन उन्होंने साफ कहा कि अगर दिव्या कहेगी तभी मैं पोस्ट करूंगा। हमें किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। अर्चना गौतम के साथ शो में आपका रिश्ता कभी दोस्ती तो कभी तकरार वाला नजर आया, आप इसे कैसे देखती हैं? अर्चना बहुत फनी हैं और हमारा लव-हेट रिलेशन रहा है। लेकिन अगर सच में देखा जाए तो शो में उन्होंने सबसे ज्यादा एंटरटेन किया है। उन्होंने झगड़े भी किए, मस्ती भी की और पूरे दिल से शो को एंजॉय किया। सपना चौधरी के साथ आपकी दोस्ती भी शो के दौरान काफी चर्चा में रही, उनके बारे में क्या कहना चाहेंगी? सपना बहुत स्वीट हैं। शो से निकलने के बाद मैंने उनसे उनका नंबर मांगा और उन्होंने दे भी दिया। हम फोन पर बात भी कर चुके हैं। वह कमाल की डांसर हैं और अगर कभी उनके साथ स्टेज शेयर करने का मौका मिला तो मुझे बहुत खुशी होगी। अब आगे के करियर प्लान क्या हैं और क्या आप भविष्य में फिर से किसी रियलिटी शो का हिस्सा बनना चाहेंगी? मुझे लगता है कि अब रियलिटी शोज का चौप्टर खत्म हो चुका है। अगर कुछ करना हुआ तो शायद होस्टिंग करना पसंद करूंगी, लेकिन फिलहाल मेरा पूरा फोकस एक्टिंग पर है। अब मेरा समय मेरे क्राफ्ट, फैमिली और अपनी लाइफको बेहतर बनाने में लगेगा।

फिल्ममेकर प्रियदर्शन ने हाल ही में बताया कि क्रिकेटर विराट कोहली महत्वपूर्ण मैचों से पहले रिलैक्स होने के लिए उनकी कॉमेडी फिल्म 'ढोल' देखते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रिलीज के समय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म इतनी खास नहीं चली, लेकिन बाद में इसे ओटीटी और टीवी पर नई पहचान मिली। दरअसल, हाल ही में पिंकविला से बातचीत में प्रियदर्शन ने कहा, 卐सच कहूं तो अब मुझे सीरियस फिल्में बनाना अच्छा लगता है। कॉमेडी बनाना अब पसंद नहीं है, लेकिन मजबूरी में करना पड़ रहा है। मुझे लगता है कि मेरे पास नए आइडिया खत्म हो गए हैं। इसलिए मैं वही चीज दोहराना नहीं चाहता जो पहले कर चुका हूं। शायद मैं एक और कॉमेडी फिल्म बनाऊं, उसके बाद नहीं।卐 इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा, 卐मैंने 'खट्टा मीठा' और 'ढोल' जैसी फिल्में बहुत प्यार से बनाई थीं। मुझे ये दोनों फिल्में पसंद हैं, लेकिन उस समय ये थिएटर में नहीं चलीं। बाद में ओटीटी और दूसरे प्लेटफॉर्म्स की वजह से लोग इन्हें देखने लगे और आज दर्शक इन फिल्मों को काफी एंजॉय कर रहे हैं। 'ढोल' में राजपाल यादव, शरमन जोशी, कुणाल खेमू और तुषार कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म देखकर खुद को रिलैक्स करते हैं कोहलीरू प्रियदर्शन प्रियदर्शन ने कहा, 卐जब मैंने 'ढोल' बनाई थी तो मुझे लगा था कि यह फिल्म अच्छा प्रदर्शन करेगी। अब मुझे खुशी होती है जब विराट कोहली जैसे लोग कहते हैं कि वे मैच से पहले रिलैक्स होने के लिए 'ढोल' देखते हैं और उसके डायलॉग्स भी एक-दूसरे को सुनाते हैं। अच्छी बात यह है कि ह्यूमर हमेशा रहता है, वह कभी खत्म नहीं होता।卐 बता दें कि चार दशक से अधिक लंबे करियर में प्रियदर्शन ने कई लोकप्रिय कॉमेडी फिल्में निर्देशित की हैं। उनकी फिल्मों में 'हेरा फेरी', 'हंगामा', 'हुलचुल' और 'भागम भाग' शामिल हैं, जिन्हें आज भी दर्शक पसंद करते हैं।

ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के बीच कई लोग काफी समय से दुबई में फंसे हुए थे. जो एक एक कर लौट रहे हैं. इसमें आम लोगों से लेकर बड़े सेलेब्स का नाम भी शामिल है. बीते दिनों सोनल चौहान, ईशा गुप्ता जैसी एक्ट्रेसेज सुरक्षित भारत लौटीं. वहीं अब एक्ट्रेस लारा दत्ता भी दुबई में काफी दिनों तक फंसे रहने के बाद भारत लौट आई हैं. लारा ने वापस लौटते ही अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया है और बताया है कि इतने दिन कैसे भयावह बीते हैं. लारा ने सुनाई आपबीती लारा दत्ता दुबई में अपनी 14 साल की बेटी सायरा के साथ फंसी हुई थीं. उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर इस बारे में बताया था. वहीं अब वापस लौटने के बाद एक्ट्रेस ने भ्ज् से बात की और अपने एक्सपीरियंस के बारे में बताया. एक्ट्रेस ने बताया कि जब हमले हो रहे थे तब वो अकेली अपनी बेटी के साथ दुबई में थीं और उनके पति लंदन में थे. एक्ट्रेस के अपने परिवार के साथ रहना था इस वजह से वो दो घंटे की ड्राइव करके रिस्क लेकर फुजैराह पहुंचीं. शहमें बहुत डर लग रहा थाश् एक्ट्रेस ने बताया, शहम दुबई के जेबेल अली पोर्ट से सिर्फ 10 किलोमीटर दूर रहते थे, और वहां हर रोज बमबारी हो रही थी. इसलिए हमने सोचा कि रिस्क लेते हैं, क्योंकि मुझे अपने पति और परिवार के साथ रहना था. हम दो घंटे ड्राइव करके फुजैराह पहुंचे. ठीक एक दिन पहले ही फुजैराह पोर्ट और वहां के ऑयल रिफाइनरी पर बम गिराए गए थे. बहुत डर लग रहा था, ये झूठ नहीं बोलूंगी.श् शएयरलिफ्ट 2श् के जैसा लगा आगे एक्ट्रेस नेबताया कि, शमैं अपने को-स्टार अक्षय कुमार से मजाक कर रही थी कि लग रहा है जैसे हम एयरलिफ्ट 2 की शूटिंग कर रहे हों. हम एयरपोर्ट पर बम धमाकों की आवाज सुन रहे थे, बस यही दुआ थी कि हमें कहीं कुछ ना लग जाए. एयरलाइंस वालों को भी सलाम है. मुझे पूरा यकीन है कि मेरी बेटी को इस घटना के बाद कोई ना कोई ट्रॉमा तो जरूर रहेगा.श् क्यों किया था वीडियो शेयर? अपने दुबई में फंसे होने की बात बताने के लिए एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया था. इसकी वजह बताते हुए एक्ट्रेस ने कहा, शशायद दूसरों को ये बेवकूफी लगे, लेकिन मैं अपनी बेटी के साथ अकेले वापस जाने वाली थी. मेरे लिए ये काफी खतरनाक सफर होने वाला था और हमें सच में नहीं पता था कि आगे क्या होने वाला है. यूएई में कभी किसी ने ऐसा कुछ नहीं देखा था. मैंने वो वीडियो इसलिए डाला था, क्योंकि मेरे दिमाग में बस 1: सोच थी कि शायद ये मेरी जिंदगी का आखिरी वीडियो हो सकता है जो बाहर जाएगा.श

उन्नाव में कूड़े के ढेर में मिली लाखों की होम्योपैथी दवाएं, सरकारी दावों की खुली पोल

कोर्ट में विचाराधीन मामले से जुड़ने की आशंका

ब्यूरो उमेश शुक्ला दैनिक लखनऊ सुपरफ़ास्ट उन्नाव। जनपद में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिला होम्योपैथी अस्पताल परिसर में कूड़े के ढेर के बीच लाखों रुपये की होम्योपैथी दवाओं की शीशियां पड़ी मिलने का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल तस्वीरों और वीडियो में बड़ी संख्या में दवाओं की शीशियां अस्पताल परिसर के किनारे फेंकी हुई दिखाई दे रही हैं, जिससे सरकारी व्यवस्थाओं और दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि ये दवाएं उन्नाव के जिला होम्योपैथी अस्पताल के स्टॉक रूम से बाहर निकाली गई थीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इन दवाओं का वितरण तय मानकों के अनुसार नहीं हो पाया, जिसके कारण ये दवाएं एक्सपायर हो गईं। बाद में इन्हें कचरे की तरह परिसर के बाहर फेंक दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार कूड़े में पड़ी इन दवाओं की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। मामले को लेकर यह भी चर्चा है कि इससे पहले भी प्रदेश के कई अस्पतालों को एक्सपायरी दवाएं पहुंचने की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। सूत्रों के मुताबिक यह पूरा मामला केरल की एक दवा आपूर्ति करने वाली फर्म से भी जुड़ा बताया जा रहा है, जिसको लेकर न्यायालय में भी एक मामला विचाराधीन है। इस संबंध में जिला होम्योपैथी अधिकारी डॉ. रश्मि सिंह ने सफाई देते हुए कहा कि वायरल हो रही दवाओं की शीशियां उसी पुराने मामले से संबंधित हैं। उनके अनुसार इन दवाओं का आवंटन वर्ष 2018-2019 में किया गया था, जबकि उन्नाव के जिला होम्योपैथी कार्यालय में इनकी डिलीवरी मई 2024 में हुई थी। उस समय दवाएं आउटडेट होने के कारण विभागीय अधिकारियों ने इन्हें लेने से ही इनकार कर दिया था। डॉ. का कहना है कि करीब पांच वर्षों तक एक्सपायरी दवाओं की आपूर्ति बाधित रही और जब दवाएं जनपद में पहुंचीं तो उनकी वैधता समाप्त हो चुकी थी।

उन्होंने बताया कि ये दवाएं केरल की एक फर्म 'होमको केरल' के नाम से आपूर्ति की गई थीं। विभाग ने इन्हें स्वीकार नहीं किया और फिलहाल उनकी छटनी की प्रक्रिया के लिए बाहर रखा गया था। हालांकि अस्पताल परिसर में खुले में धूप और धूल के बीच पड़ी दवाओं की स्थिति को देखकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारों का कहना है कि यदि मामला वास्तव में न्यायालय में विचाराधीन है तो संबंधित सामग्री को सुरक्षित स्थान पर संरक्षित रखा जाना चाहिए था। ऐसे में दवाओं को खुले में छोड़ देना नियमों के विपरीत माना जा रहा है। सूत्रों का यह भी दावा है कि यदि दवाएं आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं की गई थीं, तो फिर जिले के कुछ क्षेत्रीय कार्यालयों में एक्सपायरी दवाओं की आपूर्ति किसके संरक्षण में की गई। इस पूरे प्रकरण को लेकर विभागीय कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल पहली नजर में मामला संदिग्ध और लापरवाही से भरा प्रतीत हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी जांच के घेरे में आ गई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस पूरे प्रकरण की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है।

जिला अध्यक्ष महेश सोनी के नेतृत्व में व्यापारियों की बैठक संपन्न

बिजली, जीएसटी सहित कई समस्याओं पर हुई चर्चा

अमेठी। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को जिला कार्यालय, गौरीगंज रोड पर आयोजित की गई। यह बैठक दिन से देर रात तक चली, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महेश सोनी ने की। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल हुए। बैठक के दौरान व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। मुख्य रूप से बिजली कटौती, बाजार में अव्यवस्था, जीएसटी और अन्य कर संबंधी दिक्कतें, पुलिस प्रशासन का व्यवहार और स्थानीय स्तर पर उत्पन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। कई व्यापारियों ने बताया कि इन लगातार आ रही समस्याओं के कारण उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जिलाध्यक्ष महेश सोनी ने सभी व्यापारियों की बातों को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और उनके समाधान का प्रयास किया जाएगा। सोनी ने कहा कि व्यापारियों के हितों की रक्षा करना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

एसपी का ऑपरेशन चक्रव्यूह सफल: 210 अपराधी जेल भेजे गए, 45 वाहन सीज, 30 लाख से अधिक स्मैक बरामद

माता प्रसाद शुक्ला जिला संवाददाता, अमेठी। एसपी सरवनन टी के निर्देश पर जिले में चलाया जा रहा ऑपरेशन चक्रव्यूह सफल साबित हो रहा है। इस अभियान के तहत पिछले एक महीने में 210 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, जबकि 45 वाहनों को सीज किया गया है। पुलिस ने 30 लाख रुपये से अधिक मूल्य की स्मैक भी बरामद की है। इस ऑपरेशन के दौरान, पुलिस ने 324 ग्राम स्मैक, 218 लीटर अवैध कच्ची शराब और ढाई किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इसके अतिरिक्त, 9 तमंचे और कई जिंदा कारतूस भी जब्त किए गए हैं। ऑपरेशन चक्रव्यूह का उद्देश्य जिले में अपराधों पर अंकुश लगाना है। इस अभियान के परिणामस्वरूप, पिछले एक महीने में लूट और डकैती जैसे गंभीर अपराधों में 100 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। चोरी की घटनाओं में भी 52 प्रतिशत की कमी आई है। पुलिस ने इस ऑपरेशन के तहत एक महीने में लापता हुए 21 लोगों को भी सकुशल बरामद किया है। यह अभियान रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक चलाया जाता है, जिससे रात के समय होने वाले अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने सात ब्लॉकों में 07 स्कूल लिए गोद, सभी स्कूल स्मार्ट क्लासेस के साथ अन्य आधुनिक सुविधाओं से होंगे युक्त

जिलाधिकारी ने एक भी बच्चा छूटा- शिक्षा चक्र टूटा का दिया नारा, 20 अप्रैल तक शत-प्रतिशत करायें नामांकन

औरैया ब्यूरो दिलीप कुमार। शासन की मंसा के अनुरूप जनपद में शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में नामांकन कराए जाने के उद्देश्य से संचालित स्कूल चलो अभियान के प्रथम दिन रैली को हरी झण्डी दिखाकर जिला पंचायत अध्यक्ष कमल दोहरे ने रवाना किया। उक्त के पूर्व कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में स्कूल चलो अभियान- 2026 के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूल चलो अभियान के माध्यम से बच्चों को स्कूल आने तथा अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करना है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में ऐसे बच्चे जिन्होंने नामांकन कराने के पश्चात स्कूल छोड़ दिया है और ऐसे बच्चे जिनका अभी तक स्कूल में नामांकन नहीं हुआ है, को स्कूलों में नामांकन कराने के साथ-साथ उनकी प्रतिदिन उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशन में स्कूलों में पंजीकृत बच्चों को मिड्डेमील योजना के तहत मध्यान भोजन, उन्हें निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, ड्रेस आदि उपलब्ध करा रही है। उन्होंने जनपद के समस्त विकासखंडों में एक-एक प्राथमिक स्कूल को गोद लेते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि वह प्रत्येक विकासखंड के एक-एक ऐसे स्कूलों को चिन्हित करें जहां आधुनिक संसाधनों की कमी है तथा विद्यालय में शिक्षा के स्तर को उच्चीकृत करने के लिए स्मार्ट क्लासेस के साथ-साथ अन्य सुविधाओं का विवरण सहित सूची उपलब्ध करा दे। जिससे उन स्कूलों में समस्त व्यवस्थाएं पूर्ण कराते हुए उन्हें प्राइवेट स्कूलों के समक्ष स्थापित किया जा सके। उक्त अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों को शिक्षा का मौलिक अधिकार देना शासन की प्राथमिकता में शामिल है इसीलिए आज से स्कूल चलो अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने सभी शिक्षकों को निर्देशित किया कि वह अपने विद्यालय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी बच्चों का नामांकन विद्यालय में कराना सुनिश्चित करें साथ ही बच्चों के अभिभावकों को भी प्रेरित करें कि वह अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें। उन्होंने कहा कि शिक्षा से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है और जब व्यक्ति शिक्षित होगा तो उसकी आर्थिक उन्नति के अवसर भी बढ़ेंगे साथ ही उनका सामाजिक स्तर भी बढ़ेगा। उन्होंने सभी शिक्षकों को निर्देश दिए कि 20 अप्रैल तक बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन कराया जाना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के अंत में सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार ने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष तथा जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा और नियत तिथि से पूर्व ही शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित तथा माल्यार्पण कर किया गया कार्यक्रम के दौरान नव प्रवेशित छात्र- छात्राओं के विधि - विधान के साथ टीका व माल्यार्पण कर पाठ्य पुस्तकें व बस्तें विपरीत किए गए। उक्त के अतिरिक्त विगत वर्ष में सर्वाधिक नामांकन कराने वाले शिक्षक- शिक्षिकाओं को स्मृत चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य डाइट, जिला कार्यक्रम अधिकारी, शिक्षक- शिक्षिकाओं सहित छात्र- छात्राएं आदि उपस्थित रहीं।

जनपद मे शत प्रतिशत लगाए जायेगे स्मार्ट मीटर

अफवाओं से रहे दूर अब दफ्तरो के चक्कर लगाने की आवश्यकता होंगी कम

औरैया ब्यूरो दिलीप कुमार। आज दिनांक 01/04/2026 को अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल औरैया सुनील कुमार द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें वर्तमान में लगाये जा रहे स्मार्ट मीटर को शत प्रतिशत पूर्ण करने के आधार पर विचार विमर्श कर जानकारी दी गई जानकारी के दौरान उन्होंने बताया वर्तमान में लगभग 30000 स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं जो की सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं एवं अन्य उपभोक्ताओं पर भी स्मार्ट मीटर में मेसर्स जीनस द्वारा लगाया जा रहा है उपभोक्ताओं को अवगत कराना है कि यह आईएसआई द्वारा प्रमाणित है जो की सफलतापूर्वक परीक्षण होने के पश्चात निर्गत होता है यह लगभग रियल टाइम में भुगतान एवं खपत का विवरण बताने में सक्षम है मीटर प्रीपेड मोड में भी कार्य करता है से मोबाइल की तरह रिचार्ज किया जा सकता है भविष्य में सोलर लगाने पर मीटर बदलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी कम बैलेंस,समाप्त बैलेंस भुगतान एवं जानकारी नियमित एसएमएस के माध्यम से दी जाएगी बिजली जुड़वाने के लिए बिजली घर का चक्कर लगाने की कोई आवश्यकता नहीं होगी यह मीटर रिचार्ज करने पर ऑटोमेटिक रिकनेक्ट हो जाता है उपभोक्ता यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप के माध्यम से प्रतिदिन हर घंटे रियल टाइम खपत बैलेंस की जानकारी प्राप्त कर सकता है उपभोक्ता ऑनलाइन पेमेंट के माध्यम से घर बैठकर अपना रिचार्ज कर विद्युत सुविधा का लाभ उठा सकता है किसी भी समस्या होने पर उपभोक्ता अपना मोबाइल नंबर वेबसाइट पर जाकर अपडेट कर सकता है जिससे बिल संबंधी जानकारी प्राप्त होती रहे बिजली काटने के बाद रिचार्ज हो जाने पर 2 घंटे के भीतर विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं होती है तो 1912 पर कॉल करके संपर्क किया जा सकता है अधिकारी द्वारा बताया गया शहर में प्रतिदिन मीटर लगाए जा रहे हैं यह अभियान प्रतिदिन चलता रहेगा जिससे कि शहर में सत प्रतिशत स्मार्ट मीटर का कर पूर्ण नहीं हो जाता साथ ही साथ उपभोक्ता को अपवाहों से दूर रहना है यह योजना शासन द्वारा चलाई जा रही है जिसका लाभ प्रत्येक उपभोक्ता को दिया जाएगा जो बिल्कुल निशुल्क होगा यदि किसी उपभोक्ता को मीटर से समस्या रहती है तो चेक मीटर लगाकर रीडिंग चेक कर सकता है मीटर के साथ केबिल भी निशुल्क उपलब्ध है स्मार्ट प्रीपेड मीटर से होगा उपभोक्ता स्मार्ट और स्मार्ट प्रदेश इस योजना से उपभोक्ताओं पर नहीं होगा धनराशि का बोझ घर बैठे मिलेगी सुविधा आदि जानकारी दी गई।

शाहजहांपुर में नए पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने संभाली कमान

अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी: सौरभ दीक्षित एसपी

शाहजहांपुर ब्यूरो। जनपद को नया पुलिस नेतृत्व मिला है।नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने बुधवार को विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही उन्होंने जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण को अपनी प्राथमिकता बताया। वहीं कार्यभार ग्रहण करने के बाद पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ परिचयात्मक बैठक कर पुलिसिंग व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी और किसी मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित एवं संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है, साथ ही महिला सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार और थाना स्तर पर पारदर्शिता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। नए एसपी ने पुलिस कर्मियों को ईमानदारी, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारीगण मौजूद रहे, जिन्होंने उनका स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

पोरवाल समाज के नवनियुक्त अध्यक्ष आनंदनाथ गुप्ता का किया गया भव्य स्वागत

औरैया ब्यूरो दिलीप कुमार। पोरवाल समाज में नेतृत्व परिवर्तन के बाद मंगलवार को नवनियुक्त अध्यक्ष आनंदनाथ गुप्ता का समारोहपूर्वक भव्य स्वागत किया गया समाज के सभी वर्गों युवा, व्यापारी, वरिष्ठजन और पदाधिकारियों ने उन्हें फूल-मालाओं, शॉल और बुके के साथ सम्मानित किया कार्यक्रम में उत्साह और एकता दोनों का अनोखा संगम देखने को मिला नवयुक्त अध्यक्ष को समाज के द्वारा चुना जाना एक अहम फैसला होता है जो उनके विश्वास को देखते हुए निर्विरोध चुना गया कार्यक्रम का कुशल संचालन कपिल पोरवाल ने किया मंच पर आनंद गुप्ता डाबर, अखिलेश पोरवाल, मनोज गुप्ता, शिवकुमार पुरवार और रमन पोरवाल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। आनंदनाथ गुप्ता का संकल्प- समाज को नई दिशा देंगे समाज के प्रत्येक वर्ग को उनके अधिकारों उनके कार्यों की समस्याओं के प्रति सजग व हर समय तत्पर रहने का आश्वासन दिया स्वागत समारोह के दौरान अपने संबोधन में अध्यक्ष आनंदनाथ गुप्ता ने कहा समाज ने जो भारी विश्वास मुझ पर जताया है, वह मेरे लिए सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं पूरी पारदर्शिता, सामंजस्य और समर्पण के साथ समाज के हित में कार्य करने का संकल्प लेता हूँ। युवाओं को अवसर, महिलाओं को सशक्त भूमिका और वरिष्ठों को सम्मान—ये तीनों हमारे संगठन की प्राथमिकता होंगी। मैं सभी को साथ लेकर समाज को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। उन्होंने आगे कहा कि समाज को मजबूत बनाने के लिए शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सहयोग और संगठनात्मक मजबूती पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। समाज में दिखी एकजुटता स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोगों की उपस्थिति ने यह साबित कर दिया कि नेतृत्व परिवर्तन से पोरवाल समाज में नई ऊर्जा, नई उम्मीद और नई सक्रियता का संचार हुआ है।

अप्रैल फूल दिवस मना रहे हैं

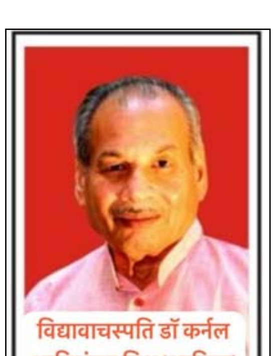

विद्यावाचस्पति डॉ कर्नल आदिशंकर मिश्र 'आदित्य'

आज पहली अप्रैल का दिन है,
मौसम भी करवट बदल रहा है,
ठंडी चली गई अब बिल्कुल,
ठंडाई पीने का दिल हो रहा है।

वे अप्रैल फूल दिवस मनाते हैं,
उनकी तो पाश्चात्य संस्कृति है,
वह फूल दिन के गुण गा रहे हैं,
हम पर इसे क्यों थोप रहे हैं।

विदेशी दिन भारत क्यों मनाये,
किसी को नीचा क्यों दिखायें,
बदले में इसके पौधा लगाकर,
क्यों नहीं धरती को कूल बनायें।

मूर्ख दिवस हम नहीं मना रहे हैं,
पर वह हमको याद दिला रहे हैं,
कूल दिवस तो खत्म हो गये हैं,
धूल दिवस अब आने वाले हैं।

इंग्लिश वालों का नहीं पर हमें,
फूल दिवस जरूर मनाना चाहिए,
भारत में खिले टेसू फूलों का दिन
होली बाद जोश से मनाना चाहिए।

आदित्य हम सब भारतीय हैं,
भारतीयता हमारी संस्कृति है,
छ- ऋतुयें, बारह महीने और
बारह राशियाँ भी निर्धारित हैं।

साइबर ठगी के शिकार व्यक्ति को पुलिस ने दिलाया पूरा पैसा वापस पीड़ित ने पुलिस की जमकर की प्रशंसा

ब्यूरो उमेश शुक्ला दैनिक लखनऊ सुपरफ़ास्ट उन्नाव। साइबर ठगी के मामलों में तेजी से कार्रवाई करते हुए गंगाघाट पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। थाना गंगाघाट की साइबर टीम ने ऑनलाइन ठगी का शिकार हुए एक व्यक्ति की 1,07,201 रुपये की पूरी धनराशि वापस कराकर उसके खाते में रिफंड करा दी। पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुक्लागंज के अवधपुरी डाकतार कॉलोनी निवासी राम मिलन रावत के साथ ऑनलाइन ठगी की घटना हुई थी। पीड़ित ने बताया कि 2 मार्च 2026 को उसके खाते से यूपीआई के माध्यम से अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 1,07,201 रुपये की धोखाधड़ी कर ली गई थी। घटना के बाद पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर छह अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराईं। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में गंगाघाट थाना पुलिस की साइबर टीम ने तत्काल जांच शुरू की। टीम ने तकनीकी माध्यमों से संबंधित खातों और लेन-देन का पता लगाया तथा आवश्यक कार्रवाई करते हुए फ्रीजिंग और समन्वय की प्रक्रिया अपनाई। लगातार प्रयासों के बाद 1 अप्रैल 2026 को पुलिस टीम ने ठगी की गई पूरी 1,07,201 रुपये की रकम पीड़ित के खाते में वापस करा दी। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित राम मिलन रावत और उनके परिवार ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। पीड़ित परिवार ने थाना गंगाघाट प्रभारी अजय कुमार सिंह और उनकी टीम की जमकर सराहना की। परिवार का कहना है कि पुलिस की तत्परता और मेहनत के कारण ही इतनी बड़ी रकम वापस मिल सकी। वहीं इस पूरे मामले पर प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने कहा कि जनता की सेवा करना और उन्हें सुरक्षित रखना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। साइबर अपराध के मामलों में पुलिस लगातार सक्रिय है और आगे भी इसी तरह पीड़ितों की मदद करती रहेगी। इस सराहनीय कार्यवाही में प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह, उप निरीक्षक सुभाष चन्द्र तथा महिला आरक्षी समरीन बानो की प्रमुख भूमिका रही। गंगाघाट कोतवाली थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल या नजदीकी थाना में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते धनराशि को सुरक्षित कराया जा सके और ठगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

जे बी जी इंटरनेशनल स्कूल मैं हुआ शानदार अवार्ड सेरेमनी का आयोजन

जहाँगीराबाद। नगर के जे बी जी इंटरनेशनल स्कूल में भव्य आयोजन के साथ सम्पन्न हुआ पुरस्कार वितरण समारोह जहाँगीराबाद नगर के जे बी जी इंटरनेशनल स्कूल में पुरस्कार वितरण सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में खुर्जा के चेयरमैन भगवान दास सिंघल जी, जहाँगीराबाद के चेयरमैन किशलपाल लोधी जी ,अनूपशहर के चेयरमैन ब्रजेश गोयल जी द्वारा दीप प्रज्वलित, किया गया कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक महोदय राजेश अग्रवाल जी,प्रभात बंसल ,सी.पी.सिंह जी,संजय लोधी जी,रिंकू राणा जी नीरज शर्मा जी, व्यापार मंडल अध्यक्ष रोहित पहाड़ी,तथा सत्यप्रकाश दादू जी,उदित गर्ग जी तथा बालकिशन बंसल जी भी उपस्थित रहे। विद्यालय के सभी अतिथियों को मंच पर सम्मानित किया गया। समारोह में विद्यालय के मेधावी व प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। सर्वाधिक उपस्थिति , मैच और दौड़ प्रतियोगिता के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को भी सम्मानित किया गया। प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया तथा विद्यालय का प्रांगण तालियों की गूँज से गूँज उठा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रिया माहेश्वरी जी ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सभी आगंतुकों के लिए उत्तम भोजन की भी व्यवस्था की गई।

गांधी नगर तिराहे पर चल रहे निर्माण कार्यों का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

क्षेत्र के विकास व सुंदरीकरण को लेकर बनी रणनीति

ब्यूरो उमेश शुक्ला दैनिक लखनऊ सुपरफ़ास्ट उन्नाव। शहर के गांधी नगर तिराहे, सदर कोतवाली के पास चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों ने मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आगामी संभावित निर्माण कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति और समयबद्धता को लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा कि शहर के प्रमुख स्थानों में शामिल गांधी नगर तिराहा यातायात की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में यहां किए जा रहे निर्माण कार्यों को व्यवस्थित और गुणवत्ता के साथ पूरा करना जरूरी है, ताकि नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा और सुगम आवागमन मिल सके। अधिकारियों ने संबंधित विभाग के कर्मचारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए और कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। इस दौरान क्षेत्र के विकास, सुंदरीकरण तथा नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि नगर क्षेत्र में सड़कों की मरम्मत, नालियों का निर्माण, साफ-सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था तथा प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। आने वाले समय में गांधी नगर तिराहे के आसपास यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार करने के लिए भी योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्नाव नगर पालिका अध्यक्ष के प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानु ने भी मौके पर मौजूद रहकर क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं से अधिकारियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि स्थानीय नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से अनुरोध किया कि निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाए, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय कुमार गौतम, सदर कोतवाल चंद्रकांत मिश्रा, सहायक अभियंता रजपाल, उन्नाव नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानु सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने मौके पर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नगर प्रशासन ने कहा कि शहर के विकास और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर पालिका निरंतर प्रयासरत है और आने वाले समय में भी कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जाएगा।

नित्या बनीं एक दिन की थानेदार,सुनी समस्याएं

लखनऊ सुपरफास्ट ब्यूरो राकेश चौधरी बस्ती। महिला सशक्तिकरण के संकल्प को साकार करते हुए बुधवार को बस्ती पुलिस ने एक सराहनीय पहल की। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन में उर्मिला एजुकेशन एकेडमी की दसवीं कक्षा की छात्रा नित्या कसौधन को एक दिन के लिए महिला थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया। महिला थाना प्रभारी डॉ. शालिनी सिंह ने नवागत थानेदार नित्या का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया और उन्हें सम्मान सहित प्रभारी की कुर्सी पर बैठाया। कार्यभार संभालते ही नित्या पूरे आत्मविश्वास में दिखीं। उन्होंने न केवल जनसुनवाई की, बल्कि थाने के मालखाने और हवालात का निरीक्षण कर पुलिस की कार्यप्रणाली को समझा। इस दौरान उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र के कार्यों का भी जायजा लिया। नित्या के साथ स्कूल की आठ अन्य छात्राओं को भी प्रशासनिक उत्तरदायित्व सौंपे गए। इनमें सिद्धि पांडेय को जनसुनवाई पोर्टल और परिधि पांडेय को पुलिस कंप्यूटर नेटवर्क की बारीकियों से अवगत कराया गया। अन्य छात्राओं को दिवसाधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, मुंशी और सहायता पटल की जिम्मेदारी दी गई। विशेष प्रशिक्षण के तहत छात्राओं को सुरक्षा उपकरण, शिरस्त्राण और दंड देकर क्षेत्र भ्रमण भी कराया गया। उन्हें साइबर अपराध से बचाव और एंटी रोमियो दल की सक्रियता के बारे में विस्तार से बताया गया। खाकी वर्दी पहनकर और थाने की कमान संभालकर छात्राएं बेहद उत्साहित नजर आईं। इस अवसर पर थाने का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

युवा उद्यमी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लिए करे नि:शुल्क आवेदन

औरैया ब्यूरो दिलीप कुमार। उप आयुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, औरैया ने समस्त जनपद वासियों को अवगत कराया है कि कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, लखन वाटिका गेस्ट हाउस दिबियापुर रोड औरैया द्वारा संचालित यथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण सहायता योजना, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट वितरण योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनाओं एवं अन्य योजनाओं के अन्तर्गत ऑनलाइन आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते है। तथा पोर्टल पर प्राप्त ऑनलाइन आवेदन पत्रों को नि:शुल्क प्रेषित किया जाता है। ऑनलाइन किये गये आवेदन पत्रों को प्रेषण किये जाने हेतु कार्यालय का स्टाफ एवं बाहरी व्यक्ति पैसा मांगता या पैसा लेता है तो उसकी शिकायत तत्काल उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, औरैया के मोबाइल नम्बर 9412561582 पर या कार्यालय के कार्यदिवस में अधोहस्ताक्षरी के सम्मुख उपस्थित होकर अपनी बात रखकर समस्या का निदान करा सकते है।

उन्नाव में निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगाने की उठी मांग, आगरा की तर्ज पर सख्त कार्रवाई की मांग

ब्यूरो उमेश शुक्ला दैनिक लखनऊ सुपरफ़ास्ट उन्नाव। जनपद में संचालित निजी प्राइवेट विद्यालयों और कॉलेजों की मनमानी को लेकर अभिभावकों में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। अभिभावकों का आरोप है कि कई निजी स्कूल संचालक मनमाने तरीके से फीस वसूल रहे हैं और छात्रों को जबरन विद्यालय से ही यूनिफॉर्म, किताबें और अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। इसको लेकर अब अभिभावकों और सामाजिक लोगों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। अभिभावकों का कहना है कि उन्नाव शहर से लेकर पूरे जनपद में कई निजी विद्यालय और कॉलेज ऐसे हैं जहां स्कूल प्रबंधन द्वारा अभिभावकों पर दबाव बनाया जाता है कि वे किताबें और यूनिफॉर्म विद्यालय द्वारा निर्धारित दुकानों से ही खरीदें। आरोप है कि कई स्कूल संचालकों ने अपनी सेटिंग के माध्यम से किताबों और यूनिफॉर्म की दुकानों को तय कर रखा है, जहां से ही सामग्री खरीदने के लिए छात्रों और अभिभावकों को मजबूर किया जाता है। यही वजह है कि वही किताबें अन्य दुकानों पर उपलब्ध नहीं होतीं और अभिभावकों को मजबूरी में अधिक कीमत पर सामग्री खरीदनी पड़ती है। अभिभावकों का यह भी कहना है कि विद्यालयों में समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों, फंक्शन और अन्य गतिविधियों के नाम पर भी अतिरिक्त धनराशि वसूली जाती है। इसके अलावा फीस के मामले में भी कई विद्यालयों द्वारा मनमानी की जाती है। यदि कोई छात्र देर से स्कूल पहुंचता है तो लेट फीस, और यदि किसी कारणवश छात्र अनुपस्थित हो जाता है तो अटेंडेंस या अन्य शुल्क के नाम पर भी अतिरिक्त पैसे वसूले जाने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा के नाम पर हो रही इस तरह की मनमानी से वे आर्थिक रूप से परेशान हो जाते हैं, लेकिन बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने की मजबूरी में उन्हें यह सब सहना पड़ता है। वहीं सरकारी विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई अभिभावक संतुष्ट नहीं हैं, जिसके कारण वे निजी विद्यालयों की ओर रुख करते हैं। जनपद के लोगों ने जिलाधिकारी और शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि जिस प्रकार आगरा में जिला प्रशासन ने निजी विद्यालयों की मनमानी पर सख्त रुख अपनाते हुए मनमानी फीस वसूली और जबरन यूनिफॉर्म व किताबें विद्यालय से खरीदने की व्यवस्था पर रोक लगाई है, उसी तरह उन्नाव में भी सख्त कार्रवाई की जाए। लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन इस दिशा में ठोस कदम उठाता है तो अभिभावकों को बड़ी राहत मिल सकती है और शिक्षा के नाम पर हो रही मनमानी पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

पीलीभीत में स्कूल चलो अभियान की शुरुआत: डीएम ने फूल-माला पहनाकर बच्चों का किया स्वागत

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश सरकार के स्कूल चलो अभियान के तहत बुधवार को पीलीभीत के जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने प्राथमिक विद्यालय टहा पोटा का दौरा किया। नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ पर आयोजित इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और जनपद में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने का आह्वान किया। विद्यालय पहुंचने पर जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने नए सत्र के पहले दिन आए छात्र-छात्राओं का फूल-मालाएं पहनाकर और तिलक लगाकर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने बच्चों को नए सत्र की पाठ्य-पुस्तकों का वितरण किया। जिलाधिकारी ने बच्चों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत भी की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सफलता का मार्ग है और छात्रों को नए सत्र में पूरी लगन से पढ़ाई करनी चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें और उनकी शिक्षा पर ध्यान दें। जिलाधिकारी ने शिक्षकों को उनकी भूमिका के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल स्कूल परिसर तक सीमित न रहें, बल्कि अपने क्षेत्र के गांवों और मजरों में जाकर अभिभावकों से सीधा संपर्क स्थापित।

गंगापुल रेलवे ट्रैक पर तेज़ी से चल रहा मरम्मत कार्य, 2 अप्रैल से बदले जाएंगे स्लीपर

ब्यूरो उमेश शुक्ला दैनिक लखनऊ सुपरफ़ास्ट उन्नाव। कानपुर-लखनऊ रेलखंड पर स्थित गंगापुल रेलवे ट्रैक पर बड़े पैमाने पर मरम्मत और सुधार कार्य तेज़ी से किया जा रहा है। बुधवार को लगभग 100 मजदूरों की टीम ने डाउन लाइन पर पुरानी गिट्टी हटाने और ट्रैक को दुरुस्त करने का काम किया। मजदूर मशीनों और उपकरणों की सहायता से ट्रैक की सफाई और उसके आधार को मजबूत बनाने में जुटे रहे। इस दौरान ट्रैक के नीचे की संरचना को मजबूत किया जा रहा है, ताकि आगामी मरम्मत कार्य सुचारू रूप से पूरा किया जा सके। वहीं, अप लाइन पर रेलवे कर्मचारी नट-बोल्ट कसने और ट्रैक की तकनीकी जांच करते दिखाई दिए। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह अभियान ट्रैक की सुरक्षा और ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। रेलवे इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारी लगातार ट्रैक की स्थिति का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कार्य कर रहे हैं। रेलवे प्रशासन ने बताया कि 2 अप्रैल से गंगापुल पर ब्लॉक लेकर एचएमबी स्लीपर लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा। इसके तहत पुराने स्लीपरों को हटाकर नए और मजबूत स्लीपर लगाए जाएंगे, जिससे ट्रैक की क्षमता और सुरक्षा दोनों में सुधार होगा। मरम्मत कार्य के कारण इस रूट से गुजरने वाली कई ट्रेनों को अस्थायी रूप से निरस्त किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों के समय और मार्ग में भी बदलाव किया गया है। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। लखनऊ मंडल के वरिष्ठ अधिकारी पूरे कार्य की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि गंगापुल रेलवे ट्रैक एक महत्वपूर्ण मार्ग पर स्थित है, इसलिए कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा हो और रेल यातायात जल्द ही सामान्य रूप से संचालित हो सके।

पूरनपुर भाजपा विधायक बाबूराम पासवान के प्रयासों से दो बड़े पुल निर्माण को मिली मंजूरी, क्षेत्र में खुशी की लहर

विधायक बाबूराम पासवान के प्रयासों से करोड़ों की परियोजनाएं स्वीकृत कलीनगर हरदोई शाखा नहर पर पुल निर्माण के लिए 27 करोड़ 9 लाख की मिली मंजूरी डगा के पास समानांतर पुल निर्माण के लिए 25 करोड़ 83 लाख 41 हजार स्वीकृत दोनों परियोजनाएं राज्य योजना के तहत दीर्घ सेतु निर्माण में शामिल ग्रामीण क्षेत्र में आवागमन को मिलेगा बड़ा फायदा, लोगों को राहत विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर उठाया था मुद्दा केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद को भी कराया था अवगत प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति मिलने से निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद विधायक ने मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री का जताया आभार, क्षेत्रवासियों ने दी बधाई पूरनपुर विधानसभा के कलीनगर और डगा पुल का मामला।

मिशन शक्ति फेज-5.2 के तहत ग्राम सिंगरोसी में साइबर संगोष्ठी व महिला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो उमेश शुक्ला दैनिक लखनऊ सुपरफ़ास्ट उन्नाव। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.2 अभियान के अंतर्गत बुधवार को थाना कोतवाली सदर क्षेत्र के ग्राम सिंगरोसी में साइबर संगोष्ठी एवं संयुक्त जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देशन तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर चंद्रकांत मिश्रा के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं व छात्राओं को महिला सुरक्षा, अधिकारों और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक मिशन शक्ति श्रीमती संतोष कुमारी तथा उप निरीक्षक करुणाशंकर श्रीवास्तव ने महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं महिला आरक्षी सोनिया ने साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सतर्क रहने के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। पुलिस टीम ने कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों तथा सुरक्षा से जुड़े उपायों के बारे में भी बताया। साथ ही आपातकालीन व सहायता हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181, 1098, 102, 108 और 1930 के बारे में जानकारी देते हुए इनके उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं को बताया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या या आपात स्थिति में बिना संकोच इन हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें और अपनी सुरक्षा को लेकर हमेशा सजग रहें। कार्यक्रम में महिलाओं को आत्मरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया। महिला आरक्षी नीलम यादव और पूजा चौधरी ने सेल्फ डिफेंस के विभिन्न तरीके प्रदर्शित करते हुए महिलाओं व छात्राओं को व्यावहारिक रूप से आत्मरक्षा के उपाय सिखाए। इस जागरूकता कार्यक्रम के सफल संचालन एवं समन्वयन में परिवार परामर्श केंद्र के प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव तथा वरिष्ठ सलाहकार डॉ. मनीष सिंह सेंगर की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर महिला कांस्टेबल लक्ष्मी चौधरी, महिला कांस्टेबल प्रिया यादव, कांस्टेबल अंकेश यादव सहित महिला थाना की मिशन शक्ति टीम से महिला आरक्षी ज्योति सिंह, महिला आरक्षी नीलम यादव और महिला आरक्षी पूजा चौधरी सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। उन्नाव पुलिस का कहना है कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के उद्देश्य से ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे समाज में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर 80 वर्ष पुराने पीपल के पेड़ को काटने पर विवाद, युवक घायल होने से बढ़ी नाराजगी

ब्यूरो उमेश शुक्ला दैनिक लखनऊ सुपरफ़ास्ट उन्नाव। जनपद के गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर चल रहे प्लेटफॉर्म विस्तार कार्य के दौरान करीब 80 वर्ष पुराने पीपल के पेड़ को काटने की कार्रवाई शुरू होते ही क्षेत्र में चर्चा और नाराजगी का माहौल बन गया। पेड़ काटने के दौरान तकनीकी दिक्कतें आने और एक युवक के घायल होने की घटना के बाद स्थानीय लोगों की भावनाएं और भी उभरकर सामने आ गईं। रेलवे विभाग इन दिनों गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म के विस्तार का कार्य करा रहा है। अधिकारियों के अनुसार यह कार्य यात्रियों की सुविधा, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। इसी परियोजना के तहत प्लेटफॉर्म के समीप स्थित पुराने पीपल के पेड़ को हटाने का निर्णय लिया गया था। बताया जा रहा है कि जब मजदूरों ने पेड़ काटने का कार्य शुरू किया तो कटर मशीन बार-बार खराब होने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मशीन लगातार तीन बार बंद हो गई, जिससे काम कुछ समय के लिए बाधित हो गया। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने इस घटना को धार्मिक आस्था से जोड़ते हुए तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं भी दीं। इसी दौरान पेड़ की एक बड़ी डाल काटते समय आसिफ नाम का एक युवक अचानक संतुलन खो बैठा। वह ऊपर से गिरते-गिरते बच गया, हालांकि उसे हल्की चोटें आईं। मौके पर मौजूद मजदूरों और अन्य लोगों ने तुरंत उसे सुरक्षित नीचे उतारा और प्राथमिक उपचार कराया। घटना के बाद कुछ समय के लिए पेड़ काटने का काम रोक दिया गया और मजदूरों को अधिक सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के कई स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह पीपल का पेड़ कई दशकों से यहां मौजूद है और लोगों की धार्मिक आस्था इससे जुड़ी हुई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार कई लोग वर्षों से इस पेड़ की पूजा करते आ रहे हैं और इसे क्षेत्र की पहचान मानते हैं। लोगों ने रेलवे प्रशासन से अपील की है कि यदि संभव हो तो पेड़ को बचाने का प्रयास किया जाए या फिर प्लेटफॉर्म विस्तार के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। उनका कहना है कि विकास कार्य जरूरी है, लेकिन धार्मिक आस्था और पर्यावरण का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। वहीं रेलवे अधिकारियों का कहना है कि प्लेटफॉर्म विस्तार रेलवे की स्वीकृत योजना के तहत किया जा रहा है और इसका उद्देश्य यात्रियों की सुविधा बढ़ाना है। अधिकारियों के मुताबिक पेड़ की शाखाएं काफी दूर तक फैल चुकी थीं और रेलवे की ओएचई (ओवरहेड इलेक्ट्रिक) लाइन के बेहद करीब पहुंच गई थीं। रेलवे विभाग के अनुसार तेज हवा या बारिश के दौरान पेड़ की शाखाएं टूटकर गिरने से रेल संचालन बाधित होने के साथ-साथ दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है। इसी कारण सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए पेड़ को हटाने का निर्णय लिया गया है। फिलहाल घटना के बाद क्षेत्र में पेड़ को लेकर लोगों के बीच चर्चा जारी है और लोग रेलवे प्रशासन से इस मामले में संवेदनशीलता बरतने की मांग कर रहे हैं। वहीं रेलवे विभाग का कहना है कि कार्य पूरी सावधानी के साथ कराया जा रहा है ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

तकनीकी सहायक की पुत्री बनी वाणिज्य कर अधिकारी, क्षेत्र में खुशी की लहर

ब्यूरो उन्नाव। पुरवा उन्नाव होनहार बिरवान के होत चिकने पात कहावत को पुरवा विकास खंड में तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत ज्ञानेंद्र सचान की इकलौती पुत्री प्रज्ञा सचान ने सच साबित कर दिखाया है। प्रज्ञा सचान का चयन उत्तर प्रदेश पीसीएस 2024 के अंतिम परिणाम में ग्रुप-ए के अंतर्गत वाणिज्य कर अधिकारी के पद पर हुआ है। इससे पहले वह नायब तहसीलदार और पंचायती राज अधिकारी के पद पर भी चयनित हो चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। पुरवा विकास खंड में तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत ज्ञानेंद्र सचान अपने सरल और मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उनकी एकमात्र पुत्री प्रज्ञा सचान बचपन से ही मेधावी रही हैं। छात्र जीवन से ही उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर सफलता की सीढ़ियां चढ़ना शुरू कर दिया था। प्रज्ञा सचान वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश पीसीएस परीक्षा पास कर नायब तहसीलदार बनीं और उनकी नियुक्ति उन्नाव में हुई थी। इसके बाद बिहार पीसीएस में चयनित होकर वह वर्तमान में गोपालगंज (बिहार) में पंचायती राज अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। अब यूपी पीसीएस 2024 के अंतिम परिणाम में उनका चयन वाणिज्य कर अधिकारी के पद पर होने से परिवार और शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। प्रज्ञा सचान अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता ज्ञानेंद्र सचान, माता सरला सचान और अपने दिवंगत बाबा स्वर्गीय शिवकुमार सचान को देती हैं, जिन्हें वह अपना प्रेरणास्रोत मानती हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता के सहयोग और मार्गदर्शन से ही यह मुकाम हासिल हो सका। युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए प्रज्ञा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में स्पष्ट लक्ष्य तय करना चाहिए और उसे पाने के लिए निरंतर मेहनत करनी चाहिए, सफलता अवश्य मिलती है। प्रज्ञा की इस उपलब्धि से सचान परिवार सहित क्षेत्र के लोगों में गर्व और खुशी का माहौल है।

हांगकांग के खिलाफ एशियाई कप क्वालीफायर मैच में विलियम्स के प्रदर्शन पर होगी भारत की नजरें

भारतीय फुटबॉल टीम मंगलवार को एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर के अपने अंतिम और औपचारिक मुकाबले में हांगकांग का सामना करने उतरेगी तो ऑस्ट्रेलिया में जन्में रयान विलियम्स पर सबकी निगाहें होंगी। दोनों टीमें पहले ही अगले चरण में आगे बढ़ने की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं, ऐसे में उनकी कोशिश जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आमने-सामने होने पर फीफा रैंकिंग अंक हासिल करने और भविष्य की तैयारियों को मजबूत करने पर होगी। टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन विलियम्स का बहुप्रतीक्षित पदार्पण भारतीय टीम के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है। यह मुकाबला एक दशक बाद शहर में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की वापसी का भी गवाह बनेगा। यह राज्य भारतीय फुटबॉल के प्रमुख केंद्रों में से एक है, जहां स्थानीय दर्शक हर स्तर के मुकाबलों में बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। हांगकांग के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम इस अभियान का सकारात्मक अंत करना चाहेगी। हाल ही में मुख्य कोच खालिद जमील और कुछ खिलाड़ियों को केरल फुटबॉल संघ द्वारा स्टेडियम मालिकों को अनिवार्य सुरक्षा जमा राशि का भुगतान नहीं किए जाने के कारण प्रवेश से वंचित कर दिया गया था। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के हस्तक्षेप के बाद यह मामला सुलझ गया, लेकिन अब यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम अपने अंतिम मैच में कैसा प्रदर्शन करती है। अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रहने की स्थिति में भारत जीत के बिना अभियान समाप्त करने की शर्मिंदगी से बचने के लिए पूरी ताकत झोंक देगा। बत्तीस साल के विलियम्स का जन्म पर्थ में हुआ था और वह मुकाबले में मैदान पर नजर आ सकते हैं। भारतीय फुटबॉल के लिए ऐतिहासिक कदम उठाते हुए उन्होंने 2025 के अंत में ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता त्यागकर भारत का प्रतिनिधित्व करने का फैसला किया। उन्होंने अपनी 'एंग्लो-इंडियन' मां के जरिए पात्रता हासिल की जिनके पिता 1950 के दशक में बॉम्बे के प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी रहे थे। विलियम्स 2023 में बेंगलुरु एफसी से जुड़ने से पहले इंग्लैंड में पोर्ट्समाउथ, फुलहम और ऑक्सफोर्ड यूनाइटेड जैसे क्लबों के लिए खेल चुके हैं, साथ ही ऑस्ट्रेलिया के पर्थ ग्लोरी का भी प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इस मैच में लालेंगमाविया राल्टे उर्फ 'आपुइया' भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। पंजाब एफसी के मिडफील्डर निखिल प्रभु के चोटिल होने के बाद आपुइया ने मिडफील्ड में खुद को मजबूती से स्थापित किया है। उन्होंने इस सत्र में मोहुन बागान के लिए शानदार प्रदर्शन किया है और अब वही फॉर्म राष्ट्रीय टीम के लिए भी दोहराने की कोशिश करेंगे। खालिद जमील ने इस मैच के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें सहल अब्दुल समद और आशिक कुरुनियन जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। एशले वेस्टवुड के कोचिंग में हांगकांग ने पिछले 12 मैचों में सिर्फ एक हार झेली है और वह क्वालीफायर में भारत पर पहले मिली 1-0 की जीत को दोहराना चाहेगा। यह मुकाबला शाम सात बजे से शुरू होगा।

'सनशाइन डबल', लेहेका को हराकर मियामी ओपन जीता

यानिक सिनर ने जिरि लेहेका को 6- 4, 6- 4 से हराकर मियामी ओपन पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। एरिना सबालेंका के बाद सिनर ने भी 'सनशाइन डबल' पूरा कर लिया। बता दें कि, सबालेंका ने कोको गाफ को हराकर महिला एकल खिताब जीता था। फिलहाल, इंडियन वेल्स और मियामी ओपन एक साथ जीतने को 'सनशाइन डबल' कहा जाता है और 2017 में रोजर फेडरर के बाद यह कमाल करने वाले सिनर दूसरे पुरुष खिलाड़ी हैं। वहीं, सिनर ने तीन साल पहले ही मियामी ओपन जीता था। पिछले साल प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के कारण निलंबन की वजह से वह इस टूर्नामेंट से बाहर रहे थे। दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी सिनर ने मुकाबले में अपने पहले सर्विस पर 92 प्रतिशत अंक जीते और पूरे मैच के दौरान मिले तीनों ब्रेक पॉइंट बचाए। इस जीत के साथ उन्होंने मास्टर्स 1000 मुकाबलों में बिना सेट गंवाए अपनी जीत की सीरीज को 17 तक पहुंचा दिया। मुकाबले के बाद सिनर ने कहा कि, हमने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत की है इसलिए मैं बेहद खुश हूं। अब घर लौटने को लेकर उत्साहित हूं। पहील बार सनशाइन डबल हासिल करना मेरे लिए अविश्वसनीय है मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये संभव हो पाएगा।

लिएंडर पेस की कहानी : टेनिस में भारत को पहला ओलंपिक पदक दिलाया

नई दिल्ली। भारतीय खेल इतिहास में कुछ कहानियां सिर्फ जीत की नहीं होतीं, बल्कि इंसानी हिम्मत, जज्बे और मानसिक ताकत की मिसाल बन जाती हैं। लिएंडर पेस का 1996 अटलांटा ओलंपिक में जीता गया कांस्य पदक ऐसी ही एक कहानी है, जिसमें शरीर हार मान चुका था, लेकिन दिमाग ने हार स्वीकार नहीं की। भारतीय टेनिस की बात हो और लिएंडर पेस का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी होता है। पेस को दुनिया के सबसे सफल डबल्स खिलाड़ियों में गिना जाता है और उनकी उपलब्धियां उन्हें भारतीय खेल इतिहास के सबसे बड़े दिग्गजों में शामिल करती हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेस की चमकदार उपलब्धियों ने भारतीय टेनिस को नई पहचान दिलाई। खास तौर पर 1996 अटलांटा ओलंपिक में जीता गया उनका कांस्य पदक न सिर्फ ऐतिहासिक था, बल्कि इसने भारत में टेनिस की नई पीढ़ी को भी प्रेरित किया। उनकी इसी सफलता से प्रेरित होकर आगे चलकर सोमदेव देववर्मन, रोहन बोपन्ना जैसे

खिलाड़ियों ने सिंगल्स और डबल्स टेनिस में अपना करियर बनाया और देश का नाम रोशन किया। क्यों चर्चा में हैं लिएंडर पेस? लिएंडर पेस ने मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले उनका यह कदम राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। पेस भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और भाजपा नेता सुकांत मजुमदार भी मौजूद रहे। पेस का पार्टी में शामिल होना पश्चिम बंगाल की राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। फिलहाल पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल गर्म होता जा रहा है और सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति मजबूत करने में जुटे हैं। पिता और मां भी रहे एथलीट 17 जून 1973 को कोलकाता में जन्मे पेस एक ऐसे परिवार से आते हैं, जहां खेल और ओलंपिक की विरासत पहले से मौजूद थी। उनके पिता वेस पेस 1972 म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे, जबकि उनकी मां जेनिफर पेस 1980 एशियाई बास्केटबॉल चौंपियनशिप में भारतीय टीम की कप्तान रही थीं। ऐसे माहौल में पले-बढ़े पेस के लिए खेल सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि उनके जीवन का हिस्सा था। 1996 अटलांटा ओलंपिक में कांस्ट जीतने की कहानी पेस ने महज 18 साल की उम्र में 1992 बार्सिलोना ओलंपिक के जरिए ओलंपिक मंच पर कदम रखा। हालांकि, सिंगल्स में वह पहले ही दौर में बाहर हो गए, लेकिन डबल्स में अपने साथी रमेश कृष्णन के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। यही वह शुरुआत थी, जिसने आने वाले वर्षों में एक महान करियर की नींव रखी। भारतीय खेल इतिहास में कुछ पल ऐसे होते हैं, जो हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं। लिएंडर का 1996 अटलांटा ओलंपिक में जीता गया ब्रॉन्ज ऐसा ही एक ऐतिहासिक क्षण है। इस उपलब्धि ने न सिर्फ 44 साल बाद भारत को व्यक्तिगत ओलंपिक पदक दिलाया, बल्कि पेस को ओलंपिक टेनिस में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय और एशियाई खिलाड़ी बना दिया। चार साल की तैयारी और अद्भुत समर्पण इस जीत के पीछे सिर्फ प्रतिभा नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत थी। पेस ने 1992 बार्सिलोना ओलंपिक के बाद ही अटलांटा के लिए तैयारी शुरू कर दी थी। उन्होंने खासतौर पर ऊंचाई वाले इलाकों में खेलना शुरू किया, ताकि स्टोन माउंटेन टेनिस सेंटर जैसी परिस्थितियों में खुद को ढाल सकें। अटलांटा ओलंपिक में पेस की एंट्री किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी। उस समय उनकी विश्व रैंकिंग 126वीं थी और उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। लेकिन उन्होंने इस मौके को पूरी तरह भुनाया। उन्होंने ओलंपिक डॉट कॉम को दिए एक इंटरव्यू में बताया था, श्मैंने चार साल सिर्फ अटलांटा की तैयारी में लगाए। मैंने ऐसे टूर्नामेंट खेले, जहां ऊंचाई ज्यादा थी, ताकि वहां की परिस्थितियों के अनुसार खुद को तैयार कर सकूं।श् शुरुआती राउंड से पहले मिला था झटका ड्रॉ में पेस का सामना दुनिया के दिग्गज पीट सैम्प्रास से होना था

13 साल के वैभव पर 10 करोड़ लुटाने को तैयार था राजस्थान?

गुवाहाटी। वैभव सूर्यवंशी की कहानी संघर्ष, परिवार के त्याग और आत्मविश्वास की एक गहरी भावनात्मक यात्रा है। बिहार के छोटे गांव से निकलकर आईपीएल तक पहुंचने का उनका सफर दिखाता है कि प्रतिभा के साथ अगर जुनून और समर्थन हो, तो कोई भी सपना बड़ा नहीं होता। आईपीएल में जब राजस्थान रॉयल्स ने एक 13 साल के लड़के पर करोड़ों रुपये दांव लगाने की बात सोची, तो यह फैसला किसी जुए से कम नहीं था, लेकिन आज वही लड़का, 15 साल का वैभव सूर्यवंशी, भारतीय क्रिकेट की सबसे रोमांचक कहानियों में से एक बन चुका है। यह कहानी सिर्फ छक्कों और शतकों की नहीं, बल्कि उस जुनून की है जो गांव की मिट्टी से उठकर दुनिया के सबसे बड़े मंच तक पहुंचता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वैभव के लिए राजस्थान ने 10 करोड़ रुपये तक रख रखे थे। फ्रेंचाइजी तब 13 साल के रहे वैभव पर पैसे लुटाने को तैयार थी। अब सवाल उठ रहा होगा क्यों? तो इसके पीछे ट्रायल्स की एक दिलचस्प कहानी है, जिसका खुलासा राजस्थान टीम के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर और टैलेंट स्काउट का हिस्सा जुबीन भरूचा ने अब क्रिकेट मंथली से किया है। आइए वो कहानी जानते हैं... श्10 करोड़ रखोश्रू एक भरोसा जिसने सब बदल दिया नवंबर 2024 में सऊदी अरब में आईपीएल मेगा ऑक्शन की तैयारियां चल रही थीं और सभी फ्रेंचाइजी अपनी शॉर्टलिस्ट पर चर्चा कर रही थी। मेगा ऑक्शन से पहले, राजस्थान टीम के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर जुबीन भरूचा ने टीम से कहा था, श10 करोड़ अलग रखो।श् कमरे में सन्नाटा था। सवाल था- किसके लिए? जुबिन भरूचा जिस नाम की सिफारिश कर रहे थे, वह न कोई बड़ा इंटरनेशनल स्टार था और न ही घरेलू क्रिकेट में खुद को साबित कर चुका खिलाड़ी, बल्कि बिहार के एक अनजान से गांव का 13 साल का लड़का था, जहां ढंग की क्रिकेट सुविधाएं भी मौजूद नहीं थीं। टीम मैनेजमेंट की पहली प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी- हैरानी और अविश्वास। उन्होंने लगभग मजाकिया अंदाज में कहा- तुम पागल हो क्या? पहले तो यह राजस्थान टीम मैनेजमेंट को यह मजाक लगा, लेकिन जब भरूचा ने ट्रायल का अनुभव सुनाया, तो कहानी बदल गई। महाराष्ट्र के तालेगांव में हो रहे थे ट्रायल्स राजस्थान रॉयल्स जब महाराष्ट्र के तालेगांव स्थित अपनी अकादमी में ट्रायल कर रही थी, तब वैभव सूर्यवंशी एक बाएं हाथ के तेज गेंदबाज (कर्नाटक) के खिलाफ बल्लेबाजी करने उतरे। जुबिन भरूचा उस वन ऑन वन मुकाबले को दिमाग में पहले ही समझने की कोशिश कर रहे थे, गेंद का एंगल, लेट स्विंग और संभावित नतीजा। भरूचा ने बताया, श्पहली गेंद दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए अंदर की ओर तेजी से आई थी। इसलिए मैं सोच रहा था कि जब वैभव स्ट्राइक पर आएगा, तो गेंद बाहर की ओर मूव करेगी और ऑफ स्टंप के बाहर उसे बीट कर देगी।श् पहली गेंद और एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से छक्का हालांकि, हुआ इसके बिल्कुल उलट। वैभव सूर्यवंशी ने उस गेंद को एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से सीधा छक्का जड़ दिया। जुबिन भरूचा उस पल को याद करते हुए कहते हैं, श्मैं बस यही सोच रहा था, मैंने अभी क्या देखा? मैं इसे समझ ही नहीं पाया।श् उन्होंने आगे कहा, श्मुझे यह बिल्कुल वैसा ही लगा जैसा मैंने पहली बार यशस्वी जायसवाल को ट्रायल में खेलते देखा था, जब उसने डीवाई पाटिल स्टेडियम में पहली ही गेंद पर शॉर्ट फाइन लेग के ऊपर से चौका मारा था। संजू सैमसन के साथ भी ऐसा ही हुआ था, जयपुर में पहली गेंद पर ही उन्होंने कुछ अलग कर दिया था। अमित सिंह ने बाउंसर डाली और उन्होंने उसे सीधे इंडोर स्टेडियम की छत पर पहुंचा दिया। पहली ही गेंद पर कुछ अलग ही किया।श् आगे जो हुआ, वो आपको हैरान कर देगा अगर वैभव सूर्यवंशी की पहली झलक ने ही रोमांच पैदा कर दिया था, तो इसके बाद जो हुआ, वह और भी असाधारण था। जुबिन भरूचा बताते हैं, श्ट्रायल खत्म होने के बाद मैंने सभी खिलाड़ियों को भेज दिया। मैं नहीं चाहता था कि किसी और को असहज महसूस हो, इसलिए मैंने वैभव को अकेले वापस बुलाया। हमारे पास कुछ साइडआर्म बॉलर्स थे, जो 157-158 किमीध्घंटा की रफ्तार से गेंद डाल सकते थे।

चेन्नई के खिलाफ 15 रन बनाते ही रवींद्र जडेजा बनाएंगे बड़ा रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय बनेंगे

गुवाहाटी। रवींद्र जडेजा आज अपनी पुरानी टीम सीएसके के खिलाफ खेलने उतरेंगे तो यह भावुक कर देने वाला पल होगा। उन्होंने इस टीम के साथ 13 साल गुजारे। हालांकि, पिछले साल ट्रेड में उन्हें राजस्थान ने अपने साथ जोड़ा। आईपीएल 2026 का तीसरा मुकाबला सोमवार को गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाना है। इस मुकाबले में रवींद्र जडेजा के पास बड़ी उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका होगा। जडेजा अपनी पुरानी टीम सीएसके के खिलाफ 15 रन बनाते ही टी20 में अपने चार हजार रन पूरे कर लेंगे। राजस्थान ने संजू सैमसन के बदले जडेजा और सैम करन को सीएसके से ट्रेड किया था। करन चोटिल होने की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। हार्दिक के बाद दूसरे भारतीय भारत की ओर से टी20 क्रिकेट में चार हजार और 200 विकेट लेने का कारनामा अब तक सिर्फ हार्दिक पांड्या कर सके हैं। हालांकि, जडेजा अगर चेन्नई के खिलाफ 15 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह यह मुकाम हासिल करने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। जडेजा ने अब तक खेले 346 टी20 मुकाबलों में 130 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 3,985 रन बनाए हैं। वहीं, इस फॉर्मेट में वह 235 विकेट निकाल चुके हैं। आईपीएल में जडेजा का दमदार रिकॉर्ड जडेजा का रिकॉर्ड आईपीएल में दमदार रहा है। उन्होंने इस लीग में अब तक खेले 254 मुकाबलों में 130 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 3,260 रन बनाए हैं। जडेजा आईपीएल में पांच अर्धशतक लगा चुके हैं। अपने आईपीएल करियर में जडेजा 170 विकेट निकाल चुके हैं। मलिंगा को पीछे छोड़ने का मौका जडेजा इंडियन प्रीमियर लीग में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों के लिस्ट में अभी 10वें नंबर पर मौजूद हैं। चेन्नई के खिलाफ एक विकेट लेते ही जडेजा आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में लसिथ मलिंगा से आगे निकल जाएंगे। मलिंगा ने आईपीएल में 170 विकेट निकाले हैं।

अर्थ जगत

नए वित्त वर्ष में लागू होगा नया आयकर कानून, टैक्स सिस्टम में होंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली। 1 अप्रैल 2026 से नया आयकर कानून लागू होगा, जिसमें टैक्स ईयर की शुरुआत, रिटर्न फाइलिंग की नई समयसीमा और कई नियमों में बदलाव किए गए हैं। इसके तहत ट्रेडिंग महंगी, भ्त। नियम सख्त, टैक्स लाभ बढ़ाए गए हैं और प्रक्रियाएं आसान बनाई गई हैं, जिससे सिस्टम ज्यादा सरल और पारदर्शी बनेगा। आइए विस्तार से जानते हैं। नए वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत के साथ ही 1 अप्रैल 2026 से देश का आयकर ढांचा बड़े बदलावों के दौर में प्रवेश करने जा रहा है। नया आयकर अधिनियम, 2025 लागू होगा, जो करीब छह दशक पुराने 1961 के कानून की जगह लेगा। इस नए कानून के तहत टैक्स सिस्टम, प्रक्रियाओं और नियमों में कई अहम बदलाव किए गए हैं। सबसे बड़ा बदलाव फाइनेंशियल ईयर (थ्ल्) और असेसमेंट ईयर (।ल) की जगह एकल टैक्स ईयर की शुरुआत है, जिससे टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया को सरल बनाने की कोशिश की गई है। रिटर्न फाइल करने की समयसीमा में हुआ बदलाव रिटर्न फाइल करने की समयसीमा में भी बदलाव किया गया है। जहां सैलरीड वर्ग के लिए 31 जुलाई की डेडलाइन बरकरार है, वहीं गैर-ऑडिट मामलों जैसे स्वरोजगार और प्रोफेशनल्स के लिए अब 31 अगस्त तक का समय मिलेगा। डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग पर एसटीटी को बढ़ाया गया सरकार ने डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग पर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (ज्ज) बढ़ा दिया है, जिससे फ्यूचर्स और ऑप्शंस में ट्रेडिंग महंगी हो जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसकी घोषणा की थी। डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग वह प्रक्रिया है, जिसमें लोग ऐसे वित्तीय कॉन्ट्रैक्ट्स खरीदते-बेचते हैं, जिनकी कीमत किसी मूल संपत्ति पर आधारित होती है जैसे शेयर, सोना, तेल, इंडेक्स आदि। हाउस रेंट के नियम किए गए सख्त हाउस रेंट अलाउंस (भ्त।) के नियमों को भी सख्त किया गया है। अब कुछ मामलों में मकान मालिक का च।छ और अन्य विवरण देना अनिवार्य होगा। साथ ही, ज्यादा छूट वाले शहरों की सूची में बंगलूरू, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद को भी शामिल किया गया है। कर्मचारियों से संबंधित कर लाभों को बढ़ाया गया इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों से संबंधित कर लाभों को बढ़ाया गया है, जिसमें भोजन भत्ते पर छूट को बढ़ाया गया है और कर-मुक्त उपहारों पर वार्षिक सीमा को बढ़ाया गया है। इसी बीच, पुरानी कर व्यवस्था के तहत बच्चों के लिए भत्ते, जिनमें शिक्षा और छात्रावास खर्च शामिल हैं, में भी वृद्धि की गई है। शेयर मार्केट से जुड़े नियमों में क्या बदलाव किए गए?

1 अप्रैल 2026 से बदल जाएगा जेब का गणित, आयकर कानून, जीएसटी और महंगाई के मोर्चे पर क्या नया जानिए

नई दिल्ली। 1 अप्रैल 2026 से भारत में लागू हो रहे इनकम टैक्स 2025, जीएसटी 2.0, नए बैंकिंग, एनपीएस नियमों और एलपीजी-दवाओं की कीमतों में इजाफे का पूरा सार। जानिए 31 मार्च की डेडलाइन और इन आर्थिक बदलावों का आपकी जेब पर क्या असर होगा। भारत में 1 अप्रैल 2026 से आर्थिक मोर्चे पर एक बड़ा बदलाव हो रहा है। छह दशक पुराने आयकर कानून की विदाई होने वाली है तो श्आयकर अधिनियम, 2025श् अमल में आने वाला है। वहीं, जीएसटी 2.0 के तहत घोषित एलानों के लागू होने के बाद अब देश का वित्तीय ढांचा पूरी तरह से बदलने की ओर बढ़ रहा है। इन बदलावों का सीधा असर आम आदमी के वेतन, बचत, रसोई गैस और रोजमर्रा के खर्चों पर पड़ेगा यह तय है। कर निर्धारण वर्ष 2026-27 से सरकार ने 12 लाख रुपये तक की आय को करमुक्त करने का एलान कर रखा है। दूसरी तरफ, पश्चिम एशिया के तनाव और नए विनियामक नियमों के कारण एलपीजी, दवाएं और कारें महंगी हो रही हैं। ऐसे में नए वित्तीय वर्ष में प्रवेश करने से पहले आम आदमी के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि 31 मार्च की डेडलाइन चूकने का क्या नुकसान है और 1 अप्रैल से उनकी आर्थिक जिंदगी में क्या-क्या बदलने वाला है? आइए सबकुछ आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं। 31 मार्च 2026 की आधी रात से पहले चार कामों को निपटाना है जरूरी वित्तीय वर्ष 2025-26 के समापन पर आपको पेनल्टी और वित्तीय नुकसान से बचने के लिए ये काम 31 मार्च तक पूरे करने होंगेरू टैक्स सेविंग और निवेशरू धारा 80ब् और 80क् के तहत टैक्स छूट पाने के लिए पीपीएफ, ईएलएसएस, और जीवन बीमा में निवेश 31 मार्च से पहले कर लें, अन्यथा इसका लाभ चालू वित्त वर्ष में नहीं मिलेगा। खातों को सक्रिय रखनारू पीपीएफ, एनपीएस और सुकन्या समृद्धि योजना को निष्क्रिय होने और पेनल्टी से बचाने के लिए न्यूनतम अनिवार्य राशि जमा करना आवश्यक है। अपडेटेड रिटनर्रू वित्तीय वर्ष 2020-21 (आकलन वर्ष 2021-22) के लिए अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की आखिरी समय-सीमा 31 मार्च है। विदेशी आय वालों के लिएरू एनआरआई को विदेशी कर क्रेडिट का दावा करने के लिए श्फॉर्म 67श् इसी दिन तक जमा करना होगा, अन्यथा दोहरे कराधान का सामना करना पड़ सकता है। 1 अप्रैल से लागू आयकर अधिनियम 2025 से क्या-क्या बदल रहा? पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को श्आयकर अधिनियम 2025श् से बदल दिया गया है। अब श्असेसमेंट ईयरश् और श्प्रीवियस ईयरश् का झंझट खत्म कर इसे सिर्फ श्टैक्स ईयर 2026-27श् कहा जाएगा। नई टैक्स व्यवस्थारू 12 लाख रुपये तक की शुद्ध वार्षिक आय वालों की टैक्स देनदारी शून्य कर दी गई है। इसके साथ ही वेतनभोगियों के लिए 75,000 रुपये का स्टैंडर्ड डिडक्शन जारी रहेगा। पुरानी व्यवस्था में भारी छूटरू बच्चों की शिक्षा भत्ता 100 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह और हॉस्टल भत्ता 300 रुपये से बढ़ाकर 9,000 रुपये कर दिया गया है। पुणे, बंगलूरू, हैदराबाद और अहमदाबाद को भी एचआरए के लिए टियर-1 (50ः छूट) में शामिल कर लिया गया है। निवेश पर टैक्सरू अब सेकेंडरी मार्केट से खरीदे गए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर मैच्योरिटी के समय कैपिटल गेन टैक्स लगेगा। फ्यूचर्स और ऑप्शंस ट्रेडिंग पर एसटीटी बढ़ा दिया गया है, और कंपनियों के शेयर बायबैक पर शेयरधारकों को टैक्स देना होगा। विदेश यात्रा हुई सस्तीरूओवरसीज टूर पैकेज पर टीसीएस दर को 5ः और 20ः की दोहरी दर से घटाकर सीधे 2ः कर दिया गया है।

कैपिटल मार्केट नियमों पर रिजर्व बैंक ने दी अतिरिक्त मोहलत, 1 जुलाई से प्रभावी होंगे बदलाव, जानिए

नई दिल्ली। कैपिटल मार्केट एक्सपोजर से जुड़े नए नियमों को लागू करने की तारीख 1 अप्रैल से बढ़ाकर 1 जुलाई 2026 कर दी है। यह फैसला बैंकों और बाजार से मिले फीडबैक के बाद लिया गया है, ताकि उन्हें तैयारी के लिए अधिक समय मिल सके। आइए विस्तार से जानते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) ने पूंजी बाजार एक्सपोजर से जुड़े संशोधित फ्रेमवर्क के लागू होने की समयसीमा तीन महीने के लिए बढ़ा दी है। अब ये नए नियम 1 अप्रैल 2026 के बजाय 1 जुलाई 2026 से प्रभावी होंगे। केंद्रीय बैंक का यह फैसला बैंकों, कैपिटल मार्केट इंटरमीडियरीज (ब्डप्) और उद्योग संगठनों से मिले फीडबैक के बाद लिया गया है। इन संस्थाओं ने नए नियमों को लागू करने में परिचालन और व्याख्यात्मक चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया था। किन क्षेत्रों में स्पष्टता प्रदान की गई? आरबीआई ने इस फ्रेमवर्क के लिए 13 फरवरी 2026 को संशोधन निर्देश जारी किए थे, जो सार्वजनिक परामर्श के बाद तैयार किए गए थे। अब त्ठप् ने अधिग्रहण वित्त , वित्तीय परिसंपत्तियों के खिलाफ ऋण और सीएमआई को दिए जाने वाले क्रेडिट एक्सपोजर जैसे क्षेत्रों में स्पष्टता भी प्रदान की है। संशोधित नियमों में क्या खास? संशोधित नियमों के तहत अधिग्रहण वित्त के दायरे को बढ़ाकर अब इसमें विलय और समामेलन को भी शामिल किया गया है। हालांकि, इस तरह की फंडिंग केवल गैर-वित्तीय कंपनियों में नियंत्रण हासिल करने के लिए ही दी जाएगी, जिससे स्पष्ट है कि आरबीआई का फोकस केवल नियंत्रण आधारित सौदों पर है, न कि छोटे निवेशों पर। अगर लक्ष्य कंपनी एक होल्डिंग कंपनी है, तो बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि संभावित तालमेल सिर्फ मूल कंपनी ही नहीं बल्कि उसकी सभी सहायक कंपनियों में भी मौजूद हो। कंपनियों के लिए अधिग्रहण वित्त नियमों में बदलाव नए फ्रेमवर्क में कंपनियों को अधिग्रहण वित्त को भारतीय या विदेशी सहायक कंपनियों के माध्यम से लेने की अनुमति भी दी गई है। वहीं, रीफाइनेंसिंग नियमों को सख्त किया गया है। बैंक अब केवल उसी स्थिति में अधिग्रहण ऋण का पुनर्वित्त कर सकेंगे जब सौदा पूरा हो जाए और नियंत्रण स्थापित हो जाए। साथ ही, यह राशि केवल मूल ऋण चुकाने के लिए ही इस्तेमाल की जा सकेगी।

फरवरी में 80.4 फीसदी रहा देश का राजकोषीय घाटा, रत्न और आभूषण क्षेत्र के लिए 30 दिन की मोहलत

नई दिल्ली। केंद्र का राजकोषीय घाटा फरवरी में 2025-26 के बजट लक्ष्य का 12.52 लाख करोड़ रुपये यानी 80.4 प्रतिशत रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 85.8 प्रतिशत था। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक केंद्र सरकार ने 2025-26 में राजकोषीय घाटा (व्यय और राजस्व के बीच का अंतर) सकल घरेलू उत्पाद के 4.4 प्रतिशत यानी 15.58 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान रखा है। महालेखा नियंत्रक के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी, 2026 के अंत तक केंद्र की कुल प्राप्तियां 27.91 लाख करोड़ रुपये रहीं, जो बजट लक्ष्य का 82 प्रतिशत है। इन प्राप्तियों में 21.45 लाख करोड़ रुपये का कर राजस्व (शुद्ध) और 5.8 लाख करोड़ रुपये का गैर-कर राजस्व शामिल है। सीजीए के आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल-फरवरी, 2025-26 के दौरान केंद्र सरकार का कुल व्यय 40.44 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पूरे वित्त वर्ष के बजट लक्ष्य का 81.5 प्रतिशत है। रत्न और आभूषण क्षेत्र के लिए 30 दिन की मोहलत पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सरकार ने रत्न और आभूषण क्षेत्र को बड़ी राहत दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने निर्यातकों को कुछ जरूरी शर्तें पूरी करने के लिए 30 दिन की अतिरिक्त मोहलत दी है। सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है जब युद्ध के चलते वैश्विक हालात तनावपूर्ण हैं और हवाई और समुद्री मार्ग से होने वाले निर्यात पर असर पड़ा है। इससे पश्चिम एशिया संकट से निपटने में मदद मिलेगी। यह क्षेत्र रत्न और आभूषण के लिए एक प्रमुख निर्यात बाजार है। भारत के कुल रत्न और आभूषण निर्यात में इसका हिस्सा लगभग 30 प्रतिशत है, जो इस वित्त वर्ष में अप्रैल-फरवरी के दौरान 26.2 अरब डॉलर रहा। सरकार के इन उपायों का उद्देश्य कठिनाइयों को दूर करके निर्यातकों की सहायता करना है। डीजीएफटी ने कहा, हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के जवाब में एचबीपी-2023 के अध्याय 4 के तहत रत्न और आभूषण क्षेत्र के लिए सुविधाकारी प्रावधान शामिल किए गए हैं। विशिष्ट श्रेणियों के लिए निर्यात व आयात की अवधि को बिना किसी शुल्क या आवेदन की आवश्यकता के 30 दिन के लिए बढ़ाया जा रहा है। छूटों से निर्यात करने वालों पर नियमों का दबाव कम होगा। लेन-देन आसानी से पूरे हो पाएंगे और मौजूदा वैश्विक हालात की वजह से सामान की आवाजाही में हो रही देरी कम करने में मदद मिलेगी। प्रमाणन या ग्रेडिंग के लिए भेजे गए हीरों के पुनः निर्यात की अवधि 90 दिन से बढ़ाकर 120 दिन कर दी गई है। विदेशी खरीदार से मिले कीमती धातुओं के बदले निर्यात की समयसीमा 90 के बदले 120 दिन होगी। विदेश में प्रदर्शनी के लिए भेजे गए रत्न और आभूषणों के पुनः आयात की अवधि को भी 30 दिन के लिए बढ़ा दिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस राहत का लाभ लेने के लिए निर्यातकों को कोई अलग आवेदन या शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी। ह्यूंडई व किआ की कारों को मिली 5-स्टार रेटिंग ह्यूंडई मोटर इंडिया की वेन्यू और वेन्यू एनलाइन को भारत के क्रैश टेस्ट प्रोग्राम बीएनकैप के तहत 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग मिली है। इसके अलावा, किआ सेल्टोस को भी 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। ये गाड़ियां बड़े और बच्चों, दोनों की सुरक्षा के लिए मजबूत साबित हुई हैं। वेन्यू के दोनों वेरिएंट ने एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में 31.147 अंक हासिल किए। एमजी मोटर्स की कारें कल से होंगी महंगी एमजी की कार खरीदना एक अप्रैल से महंगा हो जाएगा।ध्जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर्स इंडिया ने घोषणा की है कि वह एक अप्रैल से अपने कुछ चुनिंदा मॉडलों की कीमतों में बढ़ोतरी करने जा रही है। कंपनी के मुताबिक, कीमतों में अधिकतम 2 फीसदी तक बढ़ोतरी की जाएगी।ध्कंपनी ने बताया कि कच्चे माल की बढ़ती लागतों के असर को कम करने के लिए कुछध्बोझ ग्राहकों पर डालने की फैसला लिया गया है।

पश्चिम एशिया जंग से होर्मुज संकट बढ़ाय वैश्विक तेल बाजार का कैसा है हाल, जानें ब्रेंट का अपडेट

नई दिल्ली। युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा के चलते तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। ब्रेंट .115 और ॅज्प् .105 के पार पहुंच गए हैं, जबकि एक महीने में 50ः से ज्यादा तेजी दर्ज हुई है। आइए विस्तार से जानते हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते वैश्विक तेल बाजार में मंगलवार को जोरदार उछाल देखने को मिला। आपूर्ति बाधित होने की आशंका ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें कई हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 2.26 डॉलर यानी करीब 2ः बढ़कर 115.04 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (ॅज्प्) क्रूड 3.10 डॉलर यानी लगभग 3ः की तेजी के साथ 105.96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस महीने तेल की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड में करीब 59ः और ॅज्प् में लगभग 58ः की बढ़ोतरी हुई है, जो मई 2020 के बाद सबसे बड़ा मासिक उछाल है। क्या है इस तेजी का कारण? इस तेजी की मुख्य वजह वैश्विक आपूर्ति पर बढ़ता खतरा है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बाधित करने के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है। यह जलमार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का करीब 20ः गुजरता है। जंग के किसी भी नरमी के संकेत नहीं अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष में फिलहाल किसी भी तरह की नरमी के संकेत नहीं हैं। यही कारण है कि पिछले एक महीने से कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उछाल बना हुआ है। ॅज्प् ने जुलाई 2022 के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल का स्तर पार किया और 106 डॉलर के आसपास पहुंच गया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर और हमले करने की चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खोला गया, तो ईरान के बिजली संयंत्रों, तेल सुविधाओं, खार्ग आइलैंड और डीसैलिनेशन प्लांट्स को निशाना बनाया जा सकता है।